▪ चैत्र शुक्ल - 15 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 265 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 23-04-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जनता में रुझान नहीं होने पर राहुल की तबीयत खराब हो जाती है

6 उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति

7 'गुलाबी' के लिए कड़ी मेहनत कर रही है हुमा कुरैशी

फर्स्ट टेक

बागी नेता ईश्वरप्पा पार्टी से निष्कासित

बेंगलूरु। भाजपा ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने की वजह से सोमवार को बागी नेता केएस ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। चुनाव मैदान में उतरे पूर्व उपमुख्यमंत्री और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रह चुके ईश्वरप्पा ने अपने बेटे केई कांतेश को हावेरी से टिकट नहीं मिलने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और उनके पिता एवं दिग्गज नेता बीएस येडीयुरप्पा को दोषी ठहराया था। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हावेरी से भाजपा का टिकट मिला है, जबकि विजयेंद्र के भाई एवं सांसद राघवेंद्र शिमोगा से भाजपा के उम्मीदवार हैं। प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष लिंगराज पाटिल ने निष्कासन आदेश में कहा, ''पार्टी के निर्देशों की अनदेखी करते हुए आप शिमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से एक बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। यह पार्टी अनुशासन का उल्लंघन है।''

मालदीव संसदीय चुनाव में पीपुल्स नेशनल कांग्रेस की जीत

माले/एजेन्सी। मालदीव के संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 93 में से 71 सीटें हासिल कर निर्णायक जीत हासिल कर ली हैं। स्थानीय मीडिया ने इस जीत को पर्यटन पर निर्भर राष्ट्र मालदीव में चीन-अनुकूल नेता के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक जनादेश करार दिया है। मुइज्जू पिछले साल भारत विरोधी एजेंडे की वकालत करते हुये सत्ता में आए थे। जनवरी में उनकी चीन की राजकीय यात्रा और आर्थिक, व्यापार और बुनियादी ढांचे के मामलों पर आगामी समझौतों ने चीन के साथ संबंधों को और मजबूत किया है। दो एशियाई दिग्गजों चीन और भारत के साथ मालदीव का नाजुक संतुलन लंबे समय से इसकी राजनीति में एक केंद्रीय विषय रहा है।

गाजा में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हुई

गाजा/एजेन्सी। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हो गयी है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी।मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना की पिछले 24 घंटों के दौरान की गयी कार्रवाई में 54 फिलिस्तीनियों मारे गए और 104 अन्य को घायल हो गए। इससे इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,151 हो गई और 77,084 लोग घायल हो गए। बयान में कहा गया कि भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे में दबे रहे।

23-04-2024 सूर्यास्त 6:02 बजे | 24-04-2024 सूर्योदय 6:33 बजे

BSE	NSE
73,648.62	22,336.40
(+560.29)	(+189.40)

सोना	चांदी
7,644 रु.	86,016 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कूढ़मगज लोग

भाषाओं को यदि बाँध दिया,
धर्मों के थोथे बंधन में।
तो फर्क नहीं कर पाएंगे,
हम कभी नीम व चंदन में।
भाषाएं देती संस्कार,
मानव के जड़ चेतन मन में,
आओ तज कूढ़मगजियां सब,
हर भाषा के अभिनंदन में।।

67 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से राष्ट्रपति ने सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को यहां एक समारोह में 67 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में तीन पद्म विभूषण, आठ पद्म भूषण और 56 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू , डॉक्टर पद्मा सुब्रमण्यम तथा बिंदेश्वर पाठक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। बिंदेश्वर पाठक को यह पुरस्कार मरणोपरांत दिया गया है। उनकी पत्नी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान हासिल किया। इसके अलावा फ़िल्म कलाकार मिथुन चक्रवर्ती , गायिका उषा उत्थुप और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया है, अब 'ब्रज' की बारी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फतेहपुर सीकरी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है और अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है। योगी आदित्यनाथ सोमवार को फतेहपुर सीकरी से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार राजकुमार चाहर के समर्थन में किरावली में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फतेहपुर सीकरी संसदीय क्षेत्र को ब्रज भूमि का भाग बताते हुए कहा कि ''गिरिराज महाराज की यहां बड़ी कृपा है। दुनिया यहां के रज-रज में कृष्ण कन्हैया का दर्शन करती है। लखनऊ में जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा ''अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है, अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है।

अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी वर्ष 22 जनवरी को हुई। दिसंबर 2021 में मोदी ने काशी विश्वनाथ कारिडोर का लोकार्पण किया था।

विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। ये़ कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं थे, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा, ही पैदा हो गई थी।

हुब्बल्ली हत्याकांड की जांच सीआईडी करेगी : सिद्दरामैया

शिव्वमोग्गा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने हुबली में हुई छात्रा की हत्या के मामले को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का फैसला किया है। साथ ही मामले का जल्द निपटारा करने के लिए एक विशेष अदालत का गठन किया जाएगा। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के पार्षद और कांग्रेस नेता निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की 18 अप्रैल को धारवाड़ के बीवीबी कॉलेज परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। नेहा की हत्या करने के बाद आरोपी फयाज खोंडुनाइक मौके से भाग गया, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। नेहा 'मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन' (एमसीए) के प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पहले उसका सहपाठी रह चुका था। सिद्दरामैया ने कहा, ''हमने यह मामला सीआईडी को देने का फैसला किया है। हम इसके लिए एक विशेष अदालत का गठन करेंगे, जिससे समयबद्ध तरीके से आरोपपत्र दाखिल कर मामले का निपटारा हो सके।'' एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं उनके (माता-पिता के) आवास पर नहीं जा सका। हमारे जिले के प्रभारी मंत्री और पार्टी कार्यकर्ता गए थे।

बंगाल स्कूल भर्ती : 25,000 से अधिक नियुक्तियां रद्द

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और उससे सहायता प्राप्त विद्यालयों में, राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के जरिए हुई शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मियों की 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने का सोमवार को आदेश दिया तथा चयन प्रक्रिया को ''अमान्य एवं अवैध'' करार दिया। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को (रद्द की गई) नियुक्ति प्रक्रिया की जांच करने तथा तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद पर हमला, छह लोगों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संत कबीरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के अध्यक्ष संजय निषाद पर कथित रूप से कुछ लोगों द्वारा हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

निषाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है।

पुलिस के मुताबिक, संजय निषाद पर कथित रूप से हमला उस समय किया गया, जब वह रविवार देर रात एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद संतकबीरनगर से भाजपा सांसद हैं और इस बार फिर भाजपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है।

जनता की कमाई पर 'पंजा' मारना चाहती है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गम्भीर आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी देश पर 'माओवादी सोच' थोपकर और जनता की कमाई पर कब्जा कर उसे लोगों में बांटना चाहती है। हालांकि मोदी ने इस बार यह वितरण मुसलमानों के बीच किए जाने की बात नहीं कही।

प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से पार्टी उम्मीदवार अनूप वाल्मीकि के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर 'तुष्टीकरण' करने का आरोप लगाया और कहा कि इन दलों ने पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों की सामाजिकआर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' पर बेहद गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा, मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी जांच करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र कह रहा है।

मोदी ने कहा, आप सोचिए हमारी माताओं और बहनों के पास सोना होता है। वह स्त्री धन होता है। उसे पवित्र माना जाता है। कानून भी उसकी रक्षा करता है लेकिन अब इनकी (कांग्रेस) नजर कानून बदलकर हमारी माताओंबहनों की संपत्ति छीनने पर है। उनके मंगलसूत्र पर इन लोगों की नजर है।

'योगी जैसा साथी मेरे लिए गर्व की बात'

अलीगढ़/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि योगी आदित्यनाथ जैसा साथी होना उन्हें गर्व की अनुभूति देता है। मोदी ने यहां आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं। योगी की सरकार में अपराधियों में हिम्मत नहीं है कि वो नागरिकों का अमन चैन बिगाड़ें। प्रधानमंत्री ने कहा जो लोग योगी जी की पहचान केवल बुलडोजर से करते हैं उन्हें अपनी आंख खोल लेना चाहिए। यूपी में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास हुआ, उतना अकेले योगी जी के कालखंड में हुआ है। ओडीओपी का उनका मिशन आज पूरे देश में नई इज्ज़त प्राप्त कर रहा है।

सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

सूरत/भाषा। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वापस लिए जाने के बाद सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मुकेश दलाल को इस सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम मौजूदा लोकसभा चुनाव में भाजपा की पहली जीत का प्रतीक है। जिलाधिकारी सह चुनाव अधिकारी सौरभ पारधी ने दलाल को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, ''मैं घोषणा करता हूं कि भाजपा उम्मीदवार मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल को सूरत संसदीय क्षेत्र से सदन के लिए विधिवत निर्वाचित घोषित किया जाता है।''

'नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश से आतंकवाद को खत्म कर दिया है जबकि नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। छत्तीसगढ़ के कांकेर शहर में एक चुनावी रैली में शाह ने कहा कि नक्सली आत्मसमर्पण करें, अन्यथा उन्हें दो साल में राज्य से जड़ से उखाड़ दिया जाएगा।

सुरक्षाबलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में एक मुठभेड़ के दौरान 29 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि उनके परिवार की चार पीढ़ियां देश की सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ में गरीबों के लिए क्या किया। शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता अपने वोट बैंक के लालच में अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए।

केंद्रीय गृहमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में देश में बहुत बड़ा परिवर्तन लाया है और उनके पास 10 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड और 25 वर्षों का एजेंडा है। शाह ने कहा, पिछले 10 वर्षों के दौरान नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को समाप्त किया। मोदी जी ने इस देश से नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर ला दिया।

आज श्री हनुमान जन्मोत्सव आज

आज, मंगलवार
23 अप्रैल 2024

GODWAD BHAWAN
Behind Poornima Theater, Near Jain College
Lalbagh Road Cross, Bangalore

श्री हरिकिशनजी सारड़ा, बेंगलूरु

अपराह्न 3.00 बजे : संगीतमय सुन्दरकांड पाठ
(जसवंतगढ़ नागरिक परिषद, बेंगलूरु के श्री हरिकिशनजी सारड़ा द्वारा)
सायं 6.00 बजे : भजन श्री मनीषजी भट्ट
रात्रि 9.30 बजे : मंगल आरती एवं महाप्रसाद
विशेष आकर्षण - श्री हनुमानजी महाराज की मनमोहक झांकी

श्री मनीषजी भट्ट, मुम्बई

सहयोगी संस्थाएं: अग्रवाल समाज ।। माहेश्वरी सभा ।। स्वास्तिक सेवा संघ ।। श्याम मंदिर ट्रस्ट ।। गोपीकृष्ण संकीर्तन मंडल ।। राधिका मंडल ।। आरएलवी भक्त मंडल ।। गुर्जर गौड़ समाज ।। सौरभ सांस्कृतिक संस्थान ।। श्याम दीवाने ।। आपणो परिवार ।। जसवंतगढ़ नागरिक परिषद ।। विप्र फाउण्डेशन जोन 18 ।। गौड़ ब्राह्मण संघ ।। मारवाड़ी युवा मंच ।। नोखा नागरिक परिषद ।। खांडल विप्र शाखा सभा ।। श्री सालासर बालाजी सेवा समिति

आप सभी भक्तगण सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

कमेटी मेम्बर : रामेश्वरलाल भूतड़ा, श्रीकांत पाराशर, एल.एन. डागा, संदीप अग्रवाल, सुशील टिबरेवाल, प्रवीण रुंगटा, पवन रुंगटा, सुरेश जैन, टी. सी. गोयल, सज्जनराज शर्मा, ओमप्रकाश मंत्री, विनय टिबरेवाल, रेवन्तमल झंवर, कमलेश डीडवानिया, मदन माहेश्वरी

आयोजक एवं निवेदक : श्री हनुमान सेवा समिति, बेंगलूरु

रेवन्तमल विकासकुमार झंवर शुभकामनाओं सहित सज्जन अभिषेक शर्मा

सांसद एवं शिक्षाविद् अच्युत सामंत ने उद्योगपति रतन टाटा को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। प्रसिद्ध उद्योगपति और परोपकारी, टाटा समूह के चेयरमैन एमेरिटस रतन टाटा को सोमवार को प्रतिष्ठित कीस (केआईएसएस) मानवतावादी सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया। मुंबई में उनके निजी आवास पर आयोजित किया गया था पुरस्कार समारोह जिसमें उन्हें कीट–कीस–कीम्स के संस्थापक एवं कंधमाल लोकसभा सांसद महान शिक्षाविद प्रो.अच्युत सामंत द्वारा सम्मानित किया गया। यह सामाजिक विकास और अनुकरणीय कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की एक महत्वपूर्ण मान्यता है।

इस समारोह में टाटा समूह के अध्यक्ष एन.चंद्रशेखरन और तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज सहित अन्य लोग उपस्थित थे। यह पुरस्कार केआईआईटी (कीट) और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत द्वारा प्रदान किया गया। स्वास्थ्य कारणों से, टाटा सार्वजनिक उपस्थिति से बच रहे हैं, जिसके कारण उनके घर पर समारोह की निजी व्यवस्था की गई है। आमतौर पर प्रशंसा स्वीकार करने में संकोच करने वाले रतन टाटा, कीस मानवतावादी सम्मान के महत्व को पहचानते हुए, डॉ. अच्युत सामंत के व्यक्तिगत अनुरोध के बाद इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए सहमत हुए। इस पुरस्कार की घोषणा 2021 में की गई थी, लेकिन तब कोविड महामारी के कारण यह पुरस्कार रतन टाटा प्राप्त करने में असमर्थ थे। अपनी स्वीकृति में टाटा ने घखड्ड और इसके संस्थापक डॉ. सामंत के प्रति आभार व्यक्त किया। मैं यह सम्मान पाकर बेहद खुश हूं। यह मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण है, उन्होंने टिप्पणी की। डॉ. सामंत ने कहा, 'रतन टाटा भारत में एक सम्मानित नाम है, और वह वास्तव में एक अच्छे इंसान हैं। आज उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। रतन टाटा के सामाजिक कार्य और नेतृत्व ने मुझे बचपन से ही प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता टाटा कंपनी के कर्मचारी थे। तब से, मैं रतन टाटा का सम्मान करता हूं और उन्हें पसंद करता हूं। जब मैं सिर्फ चार साल का था, मेरे पिता की एक ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। वर्ष 2008 में डॉ. अच्युत सामंता द्वारा शुरू किए गए कीस मानवतावादी सम्मान कीस और कीट संस्थान का सर्वोच्च सम्मान है जो दुनिया भर में मानवीय कार्यों की भावना को मूर्त रूप देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देने के लिए समर्पित है।

कांग्रेस 'गारंटी' प्रलोभन है, जद एस ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया कि वह कांग्रेस को गारंटी कार्ड प्रसारित और वितरित करने से रोके। जद(एस) ने निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया कि इन गारंटी का मकसद लोकसभा चुनाव में चुनावी रिश्वतखोरी को बढ़ावा देना और मतदाताओं को प्रलोभन देना है। निर्वाचन आयोग को लिखे एक पत्र में जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए न्याय पत्र शीर्षक के तहत एक घोषणा पत्र प्रकाशित और जारी किया है जो पांच न्याय पर केंद्रित है और इसमें 25 गारंटी के तहत युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और सामाजिक न्याय को कवर किया गया है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि उपरोक्त वर्गीकरण के तहत कांग्रेस ने विभिन्न वादों और आश्वासनों की घोषणा करके समाज के विभिन्न समूहों तक पहुंचने की कोशिश की है जो प्रलोभन और लालच देने के समान है और इसके परिणामस्वरूप न केवल संबंधित वादों को लागू नहीं किया जा सकता बल्कि राज्य और केंद्र के सरकारी खजाने के लिए भी यह भारी बोझ है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि उन 25 गारंटी में से छह का मतदाताओं के दिमाग पर सीधा प्रभाव और परिणाम होता है और ये भ्रष्ट चुनावी कदाचार' और मतदाताओं को प्रलोभन' देने के समान हैं। क्षेत्रीय पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस एक कदम आगे बढ़ गई है क्योंकि पूरे भारत में घरों में वितरित किए जा रहे गारंटी कार्ड पर प्रमुख कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और एम मल्लिकार्जुन खरगे के वचनदाता के रूप में हस्ताक्षर हैं। जद (एस) ने आरोप लगाया, ''मतदाताओं को दिया गया यह प्रलोभन आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत विभिन्न प्रावधानों का भी उल्लंघन है।'' पार्टी ने चुनाव निकाय से कांग्रेस को घर–घर इन गारंटी कार्ड का वितरण करने से रोकने के लिए त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित हो सके।

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे, क्योंकि उन्होंने 'विभाजनकारी एवं दुर्भावनापूर्ण' बयान देकर आचार संहिता का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है।

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी और कुछ अन्य विषयों पर शिकायतें कीं। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और गुरदीप सप्पल शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, हमने कुल 17 शिकायतें की हैं। ये सभी शिकायतें गंभीर हैं और देश के संविधान के मूल सिद्धांतों पर आघात करने वाली हैं। हम आशा करते हैं कि जल्द से जल्द ठोस और स्पष्ट कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को इस प्रकार का वक्तव्य नहीं देना चाहिए। उनके 'एक्स' हैंडल पर भी इस टिप्पणी को साझा किया गया है। मैं इसे नहीं दोहराऊंगा, क्योंकि यह भद्दा है। इसमें एक समुदाय का नाम लिया गया है। इसमें कहा गया है कि वह समुदाय संसाधनों को हड़प लेगा। उस समुदाय को घुसपैठिया बताया गया है। इसमें मंगल सूत्र की बात की गई है। सिंघवी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री के पद पर आसीन एक व्यक्ति ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 का उल्लंघन किया है। भारतीय संविधान की अस्मिता पर प्रहार किया गया है।

उन्होंने कहा, भारत, संविधान, प्रधानमंत्री के पद और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता का सवाल है...जो आम आदमी के विषय में करते हैं, वो प्रतिबंध लगाना पड़ेगा, चाहे कोई व्यक्ति कितना ही बड़ा है, क्योंकि यह संवैधानिक अस्मिता का सवाल है। कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में प्रधानमंत्री की टिप्पणी को विभाजनकारी और दुर्भावनापूर्ण बताया है।

निर्वाचन आयोग को प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए: सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने 'संपत्ति बांटे जाने' संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में राजनीतिक विमर्श इतना नीचे कभी नहीं गिरा और इस मामले में निर्वाचन आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद करोड़ों लोग निराश होंगे। 1950 के बाद से संभवत: किसी अन्य प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान नहीं दिया है। इस भाषण में कहा गया है कि हमारे अल्पसंख्यक, जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं, वे घुसपैठिए हैं। यह किस तरह की राजनीति है?'' सिब्बल ने कहा, आप राम मंदिर की बात करते हैं, मंदिर का उद्घाटन करते हैं, राम के आदर्शों के बारे में बात करते हैं और दूसरी ओर आप नफरत फैलाते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' कहां है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रधानमंत्री को नोटिस जारी करना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान की एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है, तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। मोदी ने यह बात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर 'पहला हक' अल्पसंख्यक समुदाय का है।

प्रहलाद जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे संत ने नाम वापस लिया

हुब्बल्ली। लोकसभा चुनाव में धारवाड़ से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ निर्दलीय के रूप में मैदान में उतरे एक वीरशैव–लिंगायत संत ने अपने गुरु के आदेशों का हवाला देते हुए सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। शिराहट्टी फक्किरेश्वर मठ के फकीरा दिंगलेश्वर स्वामी ने जोशी के खिलाफ वीरशैव–लिंगायत और अन्य समुदायों को ''दबाने'' का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, दिंगलेश्वर स्वामी ने कहा कि वह अपना ''धर्म युद्ध'' जारी रखेंगे। इससे पहले दिन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने संत से अपना नामांकन वापस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने का अनुरोध किया था। कर्नाटक में सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए सोमवार को उम्मीदवारी वापस लेने का आखिरी दिन था।

जम्मू कश्मीर में जल्द होंगे विधानसभा चुनाव: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही होंगे और केंद्र शासित प्रदेश के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकास एजेंडे का समर्थन करने के लिए चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने को लेकर उत्साहित हैं।

'पीटीआई–भाषा' से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है, लेकिन विपक्षी दल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से जमीनी स्थिति को गलत तरह से पेश कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, विपक्षी दल जम्मू कश्मीर में जमीनी स्थिति का गलत चित्रण करने में लगे हुए हैं। अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। जम्मू कश्मीर में जल्द ही चुनाव होंगे, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में उधमपुर की एक रैली में कहा था। ये तो होना ही है और ये जल्द ही होगा। वर्ष 2018 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ गठबंधन से भाजपा के हटने के बाद से जम्मू कश्मीर में कोई निर्वाचित सरकार नहीं है। यह केंद्र के शासन के अधीन है, जिसमें 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया और जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखा था।

केजरीवाल को जमानत देने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज, अदालत ने लगाया जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए ''असाधारण अंतरिम जमानत'' का अनुरोध करने वाली एक विधि छात्र की जनहित याचिका सोमवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता पर 75,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। केजरीवाल कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

विवादों में घिरे आप नेता के वकील ने भी जनहित याचिका का विरोध करते हुए कहा कि केजरीवाल खुद कानूनी उपाय करने में सक्षम हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने टिप्पणी की कि यह याचिका ''उचित विचार करके दायर नहीं की गई'' और अदालत उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति को ''असाधारण अंतरिम जमानत'' नहीं दे सकती। पीठ ने कहा, क्या याचिकाकर्ता कॉलेज में कक्षा में जाता है? क्या याचिकाकर्ता की उपस्थिती अच्छी है?ऐसा लगता है कि वह कानून के सिद्धांतों का पालन नहीं कर रहा। अदालत ने टिप्पणी की कि 'आप' नेता के पास अपने कानूनी विकल्पों का लाभ लेने के लिए कदम उठाने के साधन हैं और याचिकाकर्ता के पास उनकी ओर से दलीलें पेश करने के लिए कोई वकालतनामा नहीं है।

उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा, आप कौन हैं? आप अपने आप के बारे में ज्यादा ही बढ़ा–चढ़ाकर सोच रहे हैं। आप कहते हैं कि आपके पास वीटो शक्ति है कि आप (यह सुनिश्चित करने के लिए) वचन देंगे (कि केजरीवाल गवाह को प्रभावित न करें)।

थरूर के खिलाफ उम्मीदवार उतार कर वाम दलों ने गलती की: प्रकाश राज

तिरुवनंतपुरम/ भाषा। अभिनेता प्रकाश राज ने सोमवार को कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा करके गलती की।

प्रकाश राज को विभिन्न सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों पर वाम समर्थक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है। राज ने थरूर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक नेता भी सुनते हैं। उन्होंने कहा कि वामपंथियों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जाल में नहीं फंसना चाहिए था, जो चाहती है कि दोनों धर्मनिरपेक्ष मोर्चे आपस में लड़ें, ताकि मतों को विभाजन हो और वह लाभ प्राप्त कर सके। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं वामपंथी उम्मीदवार (भाकपा नेता पन्नियन रवींद्रन) को जानता हूं। वह एक अच्छे इंसान और अच्छे नेता हैं।

सीयूईटी-स्नातक, नेट के लिए अंकों का सामान्यीकरण खत्म किया जाएगा : यूजीसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा–स्नातक (सीयूईटी–यूजी) और राष्ट्रीय अर्हता परीक्षा (नेट) में इस साल से अंकों का सामान्यीकरण समाप्त कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। कुमार ने कहा, इस साल अंकों के सामान्यीकरण की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि किसी विषय की दोनों परीक्षा एक ही पाली में आयोजित की जाएगी।

सामान्यीकरण एक छात्र के अंक को इस तरह से संशोधित करने की एक प्रक्रिया है कि वह दूसरे के अंक के साथ तुलनीय हो जाए। यह तब आवश्यक हो जाता है जब एक ही विषय की परीक्षा कई सत्रों में आयोजित की जाती है, प्रत्येक सत्र में अलग–अलग प्रश्नपत्र होते हैं। छात्र परीक्षा में उनके प्रदर्शन पर 'अनुचित रूप से' प्रभाव डालने वाले अंकों के सामान्यीकरण के बारे में चिंता जता रहे थे।

कुमार ने कहा, पहले, हमें यथासंभव छात्रों को पहली पसंद का केंद्र प्रदान करने के प्रयास में एक ही विषय के लिए दो या तीन दिनों में परीक्षा आयोजित करनी पड़ती थी। लेकिन इस वर्ष, ओएमआर प्रणाली अपनाने से बड़ी संख्या में केंद्र के रूप में विद्यालय और महाविद्यालय उपलब्ध होंगे, जिससे हम एक ही दिन में देश भर में परीक्षा आयोजित करने में सक्षम होंगे।

कर्नाटक में सूखा के मुद्दे के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग ने मंजूरी दी : केंद्र ने न्यायालय से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि निर्वाचन आयोग ने उसे सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में कर्नाटक द्वारा उठाये गए मुद्दों का समाधान करने की खातिर मंजूरी दे दी है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश देने संबंधी कर्नाटक सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है।

केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा, निर्वाचन आयोग ने सरकार को इस मुद्दे का समाधान करने की मंजूरी दे दी है। मुझे लगता है कि इसे तेजी से किया जाना चाहिए। पीठ ने विषय को स्थगित करते हुए कहा, इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए...हमारा एक संघीय ढांचा है।

शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि केंद्र और राज्य के बीच विवाद नहीं होने दें। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता और अटार्नी जनरल वेंकटरमणि ने पीठ से कहा कि वे इस विषय पर निर्देश लेंगे। याचिका में, यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि एनडीआरएफ के अनुरूप सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता नहीं जारी करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत राज्य के लोगों को प्रदत्त मूल अधिकारों का हनन है।

इसमें कहा गया है कि राज्य सूखे की गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है जिससे इसके लोग और खरीफ सत्र 2023 प्रभावित हुआ है। 236 में से 223 तालुका को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि 196 तालुका को सूखे से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा गया है। अधिवक्ता डी एल चिदनंदा के मार्फत दायर याचिका में कहा गया है कि खरीफ 2023 सत्र के दौरान 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान पहुंचा, जिससे 35,162 रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया है कि एनडीआरएफ के तहत केंद्र से 18,171.44 करोड़ रुपये की सहायता मांगी गई है।

केंद्र से सूखा राहत दिलाने में न्यायालय का हस्तक्षेप 'मील का पत्थर' : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य को सूखा प्रबंधन कोष दिलाने में उच्चतम न्यायालय के 'हस्तक्षेप' की सोमवार को प्रशंसा की। उन्होंने इसे राज्य की जनता के लिए राहत और न्याय सुनिश्चित करने की लड़ाई में अपनी सरकार की जीत करार दिया। इससे पहले सोमवार को ही केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि निर्वाचन आयोग ने उसे सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में कर्नाटक द्वारा उठाये गए मुद्दों का समाधान करने की मंजूरी दे दी है।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश देने संबंधी कर्नाटक सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा, निर्वाचन आयोग ने सरकार को इस मुद्दे का समाधान करने की मंजूरी दे दी है। मुझे लगता है कि इसे तेजी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीठ इस मामले पर अगले सप्ताह सुनवाई कर सकती है। पीठ ने विषय को स्थगित करते हुए कहा, 'इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए...हमारा एक संघीय ढांचा है।' सिद्दरामैया ने कहा,कर्नाटक के लोगों के लिए न्याय और राहत सुनिश्चित करने की हमारी लंबी लड़ाई में यह मील का पत्थर और सफलता है।''

गाज़ीपुर 'लैंडफिल' पर आग लगने को लेकर आप-भाजपा में तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के गाज़ीपुर 'लैंडफिल' स्थल (कचरा एकत्र करने की जगह) में लगी आग को लेकर सोमवार को राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) शासित दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर हमला किया। आग लगने के बाद स्थानीय निवासी सांस लेने में परेशानी का सामना करने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जाएगी। पूर्वी दिल्ली में 'लैंडफिल' स्थल पर रविवार शाम भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा अनुमान है कि गर्म और शुष्क मौसम के कारण गाजीपुर 'लैंडफिल साइट' में आग लगी है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के बाबत गाजीपुर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 278 (वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गाजीपुर 'लैंडफिल' स्थल का सोमवार को दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। महापौर शेली ओबेरॉय भी घटनास्थल पर गईं और उन्होंने कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है। उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया था। गाज़ीपुर लैंडफिल स्थल में भीषण आग लगने के कई घंटों बाद भी सोमवार को वहां से धुएं का घना गुबार आसमान की ओर उठता दिख रहा था। कूड़े के ढेर का एक हिस्सा टूट जाने से 'लैंडफिल' से सटी टिन पैनल से बनी दीवार भी गिर गई। पोल्ट्री मार्केट की तरफ कई मीटर लंबी दीवार खड़ी की गई थी।

ईरान-इजराइल तनाव घटने से सोना, चांदी रिकॉर्ड स्तर से नीचे आये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में तनाव घटने के बीच कमजोर वैश्विक रुख होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गई।

सोने के भाव में 450 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण दिल्ली में सोना 450 रुपए की गिरावट के साथ 73,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। शुक्रवार को सोना 74,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह, चांदी की कीमत भी 1,100 रुपए लुढ़ककर 85,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। इसका पिछला बंद भाव 86,600 रुपए प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 73,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। यह पिछले बंद भाव से 450 रुपए कम है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,365 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद भाव से 26 डॉलर नीचे है। पश्चिम एशिया में भू–राजनीतिक तनाव कम होने के बाद सुरक्षित–संपत्ति की मांग कम होने से सोमवार को सोने का कारोबार कमजोर रुख के साथ शुरू हुआ।

गांधी ने कहा कि इसके अलावा, अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के साथ–साथ वर्ष 2024 में फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से कीमती धातु की कीमतों पर असर पड़ा। चांदी भी गिरावट के साथ 27.95 डॉलर प्रति औंस पर रही। पिछले सत्र में यह 28.66 डॉलर प्रति औंस पर रही थी।

इस बीच, एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोना 888 रुपए गिरकर 71,918 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सबसे अधिक कारोबार वाला जून अनुबंध दिन के कारोबार में 71,704 रुपए प्रति 10 ग्राम के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया।

इसके अलावा, मई डिलिवरी के लिए चांदी अनुबंध भी 1,785 रुपए की गिरावट के साथ 81,722 रुपए प्रति किलोग्राम पर रहा।

हुब्बल्ली हत्याकांड सीआईडी को सौंपा और विशेष अदालत का गठन किया जाएगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने हुबली में हुई छात्रा की हत्या के मामले को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का फैसला किया है। साथ ही मामले का जल्द निपटारा करने के लिए एक विशेष अदालत का गठन किया जाएगा। वे सोमवार को शिवमोग्गा हवाईअड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के पार्षद और कांग्रेस नेता निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमठ (23) की 18 अप्रैल को धारवाड़ के बीवीबी कॉलेज परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। नेहा की हत्या करने के बाद आरोपी फयाज खोंडुनाइक मौके से भाग गया, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। 'नेहा मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन' (एमसीए) के प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पहले उसका सहपाठी रह चुका था।

सिद्दरामैया ने कहा, ''हमने यह मामला सीआईडी को देने का फैसला किया है। हम इसके लिए एक विशेष अदालत का गठन करेंगे, जिससे समयबद्ध तरीके से आरोपपत्र दाखिल कर मामले का निपटारा हो सके।'' एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं उनके (माता-पिता के) आवास पर नहीं जा सका। हमारे जिले के प्रभारी मंत्री और पार्टी कार्यकर्ता गए थे। एच के पाटिल (कानून मंत्री) भी जा रहे हैं। मैं जब हुब्बल्ली जाऊंगा तो उनके घर जाऊंगा।'' हुब्बल्ली में हुए इस हत्याकांड से लोगों में बहुत आक्रोश है और ये सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक विवाद बन गया है। सत्तारूढ़ दल ने इसे निजी विवाद पर हुई घटना के तौर पर पेश किया वहीं भगवा पार्टी ने इसे लव जिहाद मामला बताया है और कहा है कि ये राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का प्रमाण है। भाजपा की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और हिंदुत्व संगठनों से जुड़े अन्य संगठनों ने न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया है और आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की। कई अलग-अलग स्थानों पर भी इसी तरह का विरोध-प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस के शासन के दौरान अपराध के मामलों में कमी आई है। साल 2023 में अपराध के 1,295 मामले सामने आए थे। वहीं, भाजपा के चार वर्षों के शासन के दौरान 2019-2022 तक क्रमशः 1,300, 1,318, 1,342 और 1,370 अपराध के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा, ''हम अपने कार्यकाल में सभी को सुरक्षा देंगे।

मैं नेहा की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। हम एक विशेष अदालत का गठन कर रहे हैं और जांच के लिए ये मामला सीआईडी को सौंप दिया गया है। नेहा के पिता ने चार और संदिग्धों के शामिल होने की बात कही है, मैंने इसकी भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं।''

हुबली कॉलेज की छात्रा की हत्या के विरोध में बेलगावी में सोमवार को विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने विरोध रैली निकाली।

हुब्बल्ली में युवती की हत्या को लेकर भाजपा ने राज्यव्यापी प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने हुबली में एक युवती की कथित नृशंस हत्या के खिलाफ सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के पार्षद और कांग्रेस नेता निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमठ (23) की 18 अप्रैल को धारवाड़ के बीवीबी कॉलेज परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना को लेकर पूरे राज्य में आक्रोष देखा गया था।

भाजपा ने इस घटना के लिए कांग्रेस सरकार की कथित 'तुष्टिकरण की राजनीति' को जिम्मेदार ठहराते हुए राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का फैसला किया। पार्टी ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में बम विस्फोट, जय श्री राम का नारा लगाने और हनुमान चालीसा का पाठ करने को लेकर युवाओं पर हमला जैसी कई घटनाओं पर भी प्रकाश डाला।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मैसूरु में प्रदर्शन की अगुवाई की जबकि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और पूर्व मुख्यमंत्री व हावेरी से भाजपा

उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने तुमकुरु और हावेरी में प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने बेलगावी में विरोध प्रदर्शन की अगुवाई की। शेट्टार, बेलगावी से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मार्च निकाला और 'नेहा हिरेमठ अमर रहें' के नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और नेहा हिरेमठ की तस्वीर लेकर भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए बीच सड़क पर टायर भी जलाए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को हिरेमठ परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। नड्डा ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अगर मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की जरूरत पड़ती है तो भाजपा इसका सहयोग करेगी। नड्डा ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा जांच को प्रभावित और कमजोर करने की आशंका जताई। विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार विफल हो चुकी थी, इसलिए उसे इसका सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''बड़ा इंजन भी फेल हो जाएगा।'' राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने आरोप लगाया कि इस घटना का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है। परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने 'एक्स' और फेसबुक पर कुछ पोस्ट देखीं हैं, जिनमें 'नेहा हिरेमठ को वोट' देने के लिए कहा गया है। इसका मतलब है कि घटना का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जा रहा है।''

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, फैयाज ने 30 सेकंड में नेहा पर 14 बार चाकू से किया वार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। नेहा हिरेमठ की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि केवल 30 सेकंड में उस पर 14 बार चाकू से वार किया गया था। यह जानकारी पुलिस सूत्रों ने सोमवार को दी। रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपी फैयाज ने नेहा की छाती और गर्दन पर चाकू से वार किए। पुलिस सूत्रों ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए आईएएनएस को बताया, नेहा की गर्दन पर कई बार वार किए गए। इससे उसकी नसें कट गईं और अधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई।

सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने पहले नेहा की छाती और पेट पर हमला किया और जब वह गिर गई, तो उसने उसके पूरे शरीर पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। आरोपी ने उसका गला काटने का भी प्रयास किया। नेहा हिरेमठ हुबली के बीवीबी कॉलेज में एमसीए की पढ़ाई कर रही थी। उसकी हत्या उसी कॉलेज में बीसीए कर रहे फैयाज कोंडिकोप्पा ने की थी। दोनों दोस्त थे। नेहा के पिता कांग्रेस पार्षद ने कहा कि आरोपी कई सालों से उनकी बेटी का जबरन धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने दावा किया, नेहा ने जब उसकी बात को मानने से इनकार कर दिया, तो फैयाज ने गिरोह के साथ योजना बनाई और चाकू से वारकर उसकी हत्या कर दी।

मुस्लिम समुदाय ने किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़। कॉलेज छात्रा नेहा हिरेमठ की हत्या के मामले में सोमवार को मुस्लिम पुरुष और महिलाएं सामने आईं और हिंदू मृतक छात्रा के परिवार का समर्थन करते हुए अपने ही समुदाय के आरोपी फैयाज खोंडुनाईक के खिलाफ प्रदर्शन किया।

हिरेमठ के परिवार के साथ एकजुटता दिखाने और इस नृशंस कृत्य की निंदा करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानें आधे दिन के लिए बंद रहीं। दुकानदारों ने एक पोस्टर लगाया जिस पर लिखा था, नेहा हिरेमठ को न्याय दो। अंजुमन-ए-इस्लाम की धारवाड़ इकाई के नेतृत्व में मुस्लिम छात्रों ने भी बैनर और तख्तियां लेकर शहर में एक मार्च निकाला, जिन पर लिखा था, एक मनुष्य की हत्या मानवता की हत्या के बराबर है और छात्राओं का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए। चूंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी नेहा हत्याकांड के खिलाफ अपने राज्यव्यापी विरोध के तहत शहर में प्रदर्शन कर रही है इसलिए इस दौरान आरक्षित पुलिस बलों की तैनाती के साथ व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमठ (23) की बृहस्पतिवार को बीवीबी कॉलेज परिसर में फैयाज खोंडुनाईक ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। फैयाज वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया था, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। नेहा 'मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)' पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पहले उसका सहपाठी था। इस घटना से लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया और ये आक्रोश विपक्षी भाजपा के बीच राजनीतिक सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इस मामले को व्यक्तिगत कारणों से हुई घटना के तौर पर पेश करने का प्रयास किया।

सूखा राहत पर निर्णय के लिए केंद्र का तैयार होना जनता और राज्य सरकार की जीत : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक में सूखा राहत के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में केंद्र सरकार के बयान के बाद कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि यह किसानों और प्रदेश सरकार की जीत है। केंद्र ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि सूखा राहत के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में कर्नाटक द्वारा उठाए गए मुद्दे के समाधान को लेकर चुनाव आयोग ने उसे मंजूरी दे दी है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ कर्नाटक सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मई, 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मोदी सरकार ने राज्य के साथ लगातार भेदभाव किया है। उन्होंने कहा, ''यह कर्नाटक के लंबे समय से पीड़ित किसानों और राज्य सरकार की जीत है जिसने उनके कल्याण और हितों के लिए लड़ाई लड़ी है।''

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मई, 2023 में कर्नाटक के लोगों द्वारा निर्णायक ढंग से खारिज किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटकवासियों और कर्नाटक राज्य के साथ लगातार भेदभाव किया है। सबसे पहले, उन्होंने अन्न भाग्य खाद्य सुरक्षा योजना को विफल करने की कोशिश की। कांग्रेस सरकार अडिग रही और 4.49 करोड़ लाभार्थियों के लिए नकद अंतरण योजना शुरू की। उन्होंने दावा किया, फिर इससे राज्य के किसानों को वैध सूखा राहत राशि मिलने में देरी हुई। कर्नाटक में 236 तालुकों में से 223 सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं, 196 तालुकों को गंभीर रूप से प्रभावित के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

सितंबर 2023 की शुरुआत में कर्नाटक सरकार ने सूखा राहत के लिए 18,172 करोड़ रुपये जारी करने के लिए मोदी सरकार से संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार को उच्चतम न्यायालय में रिट याचिका दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि नाराज प्रधानमंत्री उसके ज्ञापन पर निर्णय लेने से इनकार कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''आज माननीय उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण मोदी सरकार एक सप्ताह के भीतर निर्णय लेने के लिए सहमत हो गई है।''

एचएएल, एनएएल ने तेजस इंजन डे डोर उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर किए हस्ताक्षर

बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए के श्रृंखला उत्पादन के लिए बिस्मलीमाइड इंजन बे डोर के विनिर्माण के लिए राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके1ए भारतीय वायुसेना के लिए एक स्वदेशी 4.5 जनरेशन, हर मौसम में काम करने वाला तथा बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है। संयुक्त बयान में कहा गया, बिस्मलीमाइड इंजन बे डोर के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एचएएल सीधे एलसीए एमके1ए विमान के श्रृंखला उत्पादन के लिए इन उच्च तापमान प्रतिरोधी मिश्रित कलपुर्जों का उत्पादन कर सकता है।

प्रचार

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत टी दासरहल्ली विधानसभा क्षेत्र के बगलकुंटे में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित रोड शो में प्रत्याशी प्रो. एमवी राजीव गौड़ा का प्रचार किया। बगलगुंटे में देवता मारम्मा मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद रोड शो किया गया इस मौके पर डीके शिवकुमार ने प्रत्याशी राजीव गौड़ा के समर्थन में प्रचार किया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार ने प्रधानमंत्री को 'शनि' बताया

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष के. आर. रमेश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'शनि'' बताया जिसका 'पूरे देश पर प्रकोप'' है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीती रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने छह बार के विधायक पर निशाना साधा।

कुमार ने रविवार को कहा, 'मुर्गे बांग दें या न दें, सुबह का सूरज जरूर उगेगा और (के वी) गौतम (कोलार लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार) भी जरूर जीतेंगे। कांग्रेस निश्चित तौर पर कर्नाटक में जीतेगी। मोदी साहेब, ईश्वर पर विश्वास रखते हुए हम चार जून (लोकसभा चुनाव परिणाम) का इंतजार कर रहे हैं ताकि इस देश को शनि से छुटकारा मिल जाए जिसका उस पर प्रकोप है।'

मोदी संविधान बदलने के लिए दो-तिहाई बहुमत की खातिर '400 पार' का नारा लगा रहे हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नापटना। कांग्रेस प्रमुख एम. मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव प्रचार के दौरान '400 पार' का नारा इसलिए लगा रहे हैं ताकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत मिल सके जो संविधान बदलने के लिए जरूरी है।

खरगे ने कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का छाप होने के प्रधानमंत्री के आरोप को लेकर उन पर प्रहार करते हुए कहा कि वह मोदी के साथ खुली बहस करने को राज़ी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। अगर आप इन मुद्दों पर वोट करेंगे तो वोट कांग्रेस को जाएगा। अगर आप कांग्रेस को वोट नहीं देंगे तो देश में कोई संविधान या लोकतंत्र नहीं रहेगा। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने

कहा, मोदी दो-तिहाई बहुमत मांग रहे हैं। वह '400 पार' कह रहे हैं, क्योंकि संविधान बदलने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है, दो-तिहाई बहुमत पाने के लिए मोदी '400 पार' कह रहे हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को संविधान बदलने वाले बयानों पर बोलने से क्यों नहीं रोक रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। खरगे ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि वह भी चाहते हैं कि ऐसा हो, मोदी भी यह चाहते हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग के घोषणापत्र से करने के लिए मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा, अगर हम कहते हैं कि हम युवाओं को रोजगार देंगे, तो क्या यह मुस्लिम लीग है? क्या नारी न्याय...किसानों के लिए एमएसपी को वैध बनाना -यह मुस्लिम लीग है? उनके मुंह में जो भी आता है, वह बोलते हैं। प्रधानमंत्री ने रविवार को राजस्थान में कहा था कि कांग्रेस जनगणना कराकर लोगों के पास जो संपत्ति है, उसे इकट्ठा करेगी और मुसलमानों को देगी। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री होने के नाते उन्हें सोच-समझकर बोलना चाहिए। पार्टी के घोषणापत्र में विभिन्न 'गारंटी' को रेखांकित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''वह (मोदी) जहां भी कहें, मैं उनसे हमारे घोषणा पत्र पर खुली बहस को तैयार हूं। मैंने हमारे घोषणापत्र में उल्लेखित चीजों को बताया है और इसे मुस्लिम लीग और राष्ट्र-विरोधी घोषणापत्र कहने के लिए उनसे सवाल करता हूं।'' खरगे ने मोदी पर बेवजह गांधी परिवार को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 1989 से लेकर अब तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री, मंत्री या मुख्यमंत्री नहीं रहा है, लेकिन, वह (मोदी) अब भी गांधी परिवार पर हमला करना बंद नहीं करेंगे। खरगे ने आरोप लगाया कि अगर कोई इस देश को बांटने की कोशिश कर रहा है तो वह मोदी हैं।

करगा उत्सव

बेंगलूरु में सोमवार को करगा महोत्सव को लेकर विशेष पूजा अर्चना की गई। पूर्णिमा के दिन मंगलवार को शहर का प्रसिद्ध करगा महोत्सव की शोभा यात्रा नगरथपेट स्थित धर्मराय टेम्पल से निकाली जाएगी।

भाजपा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए करती है काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगढ़। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करती है। शर्मा सोमवार को लोकसभा चुनाव के रण में मार्बल एसोसिएशन, किशनगढ़ के सभागार में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि उन्हें जनता का विश्वास जीतना है तथा जनता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है क्योंकि चुनाव राजनैतिक कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में कोई भी मैसेज 15 मिनिट में हर स्तर के कार्यकर्ता तक पहुंचकर उस पर कार्यवाही भी शुरू हो जाती है, ऐसा सिस्टम केवल भाजपा के पास ही है।

उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद राजनीतिक दलों और राजनेताओं की तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और लूट-झूठ की राजनीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा देती थी जबकि गरीब कल्याण से उनका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने देश के विकास के साथ गरीब कल्याण एवं सीमा सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मोदी ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में किए वादों को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ईआरसीपी के द्वारा पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पानी पहुंचाने का काम कर रही है। ईआरसीपी के माध्यम से इन जिलों में पेयजल के साथ 2 लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई भी होगी।

गत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी पर अटकाने, लटकाने तथा भटकाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा 30 साल से लंबित ऐतिहासिक यमुना जल समझौता किया गया। इसके माध्यम से राजस्थान को अपने हिस्से का पूरा पानी मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि पेपरलीक को रोकने के लिए हमारी सरकार के गठन के तुरंत बाद ही एसआईटी का गठन किया गया तथा एसआईटी ने इन प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई कर 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य संविधान से चलता है तथा ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले बड़े से बड़े व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गैंगवार सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राजस्थान में पेट्रोल तथा डीजल की दरें हर जिले में अलग-अलग थी। इससे आमजन को काफी समस्या का सामना करना पड़ता था। हमने पेट्रोल-डीजल के दामों में कमी की तथा राज्य में पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर कर जनता से किए वादे को पूरा किया है। शर्मा ने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार रुपये, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 150 रुपये की बढ़ोतरी कर 1150 रुपये करने, जनप्रतिनिधि का भत्ता बढ़ाने जैसे निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनने के केवल 90 दिनों में ही संकल्प पत्र में किए 45 प्रतिशत वादे पूर्ण कर दिए हैं। हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे।

शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 एवं 2019 की तरह इस बार भी राजस्थान में भाजपा 25 लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाएं, हर बूथ पर कमल का फूल खिलाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

जालोर संसदीय क्षेत्र में वैभव गहलोत एवं लुंबाराम चौधरी के बीच मुख्य मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। राजस्थान में पिछले बीस साल साल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबदबा वाले जालौर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र में फिर से अपनी साख कायम करने के लिए कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को चुनाव मैदान में उतारा है जहां उनका मुख्य मुकाबला भाजपा के युवा उम्मीदवार लुंबाराम चौधरी से होने के आसार हैं। हालांकि इस क्षेत्र में वर्ष 1952 से 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक सात चुनावों में जीत दर्ज करके कांग्रेस का दबदबा रहा है लेकिन वर्ष 2004 से पिछले चार चुनावों में लगातार भाजपा बाजी मारकर क्षेत्र में अपना राजनीतिक दबदबा कायम कर लिया है। भाजपा ने इससे पहले वर्ष 1989 में यहां से चुनाव जीतकर अपना खाता खोला था।

इस बार कांग्रेस ने उलटफेर करते हुए वैभव गहलोत को उनके पिता अशोक गहलोत के गृह जिले एवं उनकी साख वाले जोधपुर क्षेत्र से चुनाव मैदान में नहीं उतारकर जालोर सिरोही क्षेत्र में आजमाया है। वैभव गहलोत पिछला लोकसभा चुनाव जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत से हार गये थे।

इस बार लोकसभा चुनाव में जोधपुर से गहलोत भी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और वह जालोर में अपने पुत्र को जिताने में लगे हैं। जालोर से भाजपा एवं कांग्रेस उम्मीदवार के अलावा भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उम्मीदवार ओटाराम ने भी ताल ठोक रखी है। बीएपी के अलावा अन्य कुछ दलों के प्रत्याशियों एवं निर्दलीय सहित इस चुनाव में नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इस क्षेत्र में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा चार बार बूटा सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने यहां से तीन बार कांग्रेस प्रत्याशी एवं एक बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप लोकसभा का चुनाव जीता जबकि भाजपा के देवजी पटेल तीन बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 1952 के पहले लोकसभा चुनाव में यहां निर्दलीय उम्मीदवार भवानी सिंह ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले सांसद बने। इसके बाद वर्ष 1957 में हुए दूसरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सूरज रतन दामानी ने चुनाव जीता। इसके बाद 1962 के चुनाव में कांग्रेस के ही हरीश चंद्र माथुर , 1967 में स्वतंत्र पार्टी के देवकीनंदन पाटोदिया, 1971 के चुनाव में फिर कांग्रेस के नरेन्द्र कुमार सांघी, 1977 में जनता पार्टी के उम्मीदवार हुकम राम , वर्ष 1980 में कांग्रेस (आई) के वृंदा राम फुलवारियां, 1984 में कांग्रेस के बूटा सिंह, 1989 में भाजपा के कैलाश मेघवाल, 1991 में फिर कांग्रेस के बूटा सिंह, 1996 में कांग्रेस के ही परसा राम मेघवाल, 1998 में फिर बूटा सिंह (निर्दलीय), एवं वर्ष 1999 में भी कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में बूटा सिंह, वर्ष 2004 में भाजपा की सुशीला बंगारू ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 2009, 2014 एवं 2019 में भाजपा के ही देवजी पटेल ने पन्द्रह वर्षों तक लगातार तीन बार सांसद रहे। इस बार उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया और उनकी जगह युवा नेता लुंबाराम चौधरी को चुनाव मैदान में उतार दिया जहां उनका मुख्य मुकाबला कांग्रेस के वैभव गहलोत से माना जा रहा है।

वसुंधरा एवं उनके बेटे दुष्यंत का झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र में गत 35 सालों से राजनीतिक दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़-बारां। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके पुत्र दुष्यंत सिंह का पिछले 35 सालों से झालावाड़ संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक दबदबा हैं और इस बार भी प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को इस क्षेत्र में होने वाले चुनाव में दुष्यंत सिंह लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने एवं अपना दबदबा बरकरार रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं जहां उनका मुख्य मुकाबला पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार उर्मिला जैन भाया से माना जा रहा है। इस क्षेत्र में इन दोनों प्रमुख दलों के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चन्द्र सिंह किराड़, राइट टू रिकाल पार्टी के भुवनेश कुमार एवं निर्दलीयों सहित सात उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

देश के पहले लोकसभा चुनाव 1952 से लेकर 2004 तक के चुनाव तक झालावाड़ संसदीय क्षेत्र एवं इसके पश्चात परिसीमन के बाद वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव से यह क्षेत्र झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र कहलाता है और इसमें आजादी के बाद से अब तक हुए सत्रह चुनावों में सर्वाधिक नौ बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधितव मां-बेटे ने ही किया हैं। श्रीमती राजे ने वर्ष 1989 के नौवीं लोकसभा के चुनाव में झालावाड़ संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़कर चुनाव जीता और इस क्षेत्र में पार्टी का खाता खोला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वह इसके अगले चार चुनाव वर्ष 1991, 1996, 1998 एवं 1999 लगातार जीतकर पांच बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इसके बाद वर्ष 2004 का चुनाव दुष्यंत सिंह ने लड़ा और वह पहली बार सांसद बनकर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद झालावाड़ के साथ बारां को भी जोड़ देने से झालावाड़-बारां से सिंह ने वर्ष 2009, 2014 एवं 2019 के लगातार चुनाव जीतकर इस क्षेत्र से चार बार सांसद बनने का गौरव प्राप्त किया और पांचवीं बार जीतने के लिए चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इस क्षेत्र का पहला चुनाव 1952 में कांग्रेस ने जीता। पहले चुनाव में कांग्रेस के नेमीचंद कासलीवाल विजयी रहे और उन्होंने इसके अगला चुनाव 1957 का भी कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जीता लेकिन इसके बाद कांग्रेस यहां से लंबे समय बाद वर्ष 1984 का चुनाव जीत पाई जिसमें उसके प्रत्याशी जुझार सिंह ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद कांग्रेस को आज तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला है। इस क्षेत्र में भारतीय जनसंघ के प्रत्याशी बृजराज सिंह ने वर्ष 1962, 1967 एवं 1971 का लगातार तीन चुनाव जीते। इसके बाद जनता पार्टी के चतुर्भुज ने वर्ष 1977 एवं 1980 का चुनाव जीता। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए कोई कड़ी मुश्किलें नहीं मानी जा रही हैं और उसका मुख्य मुकाबला कांग्रेस से ही होने के आसार हैं। इस क्षेत्र में पिछले लंबे समय से श्रीमती राजे का राजनीतिक दबदबा हैं और वह दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रही हैं और अपने क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जा रही है। हालांकि वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ रही है लेकिन उनके पुत्र के सामने इस चुनाव में कोई मुश्किलें खड़ी होती नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान में अब तक 73 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने किया घर से मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव में अब तक 73 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता घर से मतदान किया हैं जो रिकॉर्ड 97.64 प्रतिशत पहुंच गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत प्रदेश में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है और प्रदेश में अब तक दोनों चरणों में रिकॉर्ड 97.64 प्रतिशत मतदान हुआ है। पंजीकृत कुल बुजुर्गों में से 97.57 प्रतिशत मतदान किया है। दिव्यांगों का मतदान प्रतिशत भी 97 प्रतिशत से अधिक है।

गुप्ता ने बताया कि सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 248 ऐसे मतदाता मतदान किया है। इनमें 56 हजार 284 बुजुर्ग तथा 16 हजार 964 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। 1050 मतदाताओं की मृत्यु होने तथा 1770 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से मतदान नहीं कर सके।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 97.03 प्रतिशत ने मतदान किया है। अब तक कुल 37 हजार 723 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। इनमें 29 हजार 715 बुजुर्ग, 8008 दिव्यांग, 632 की मृत्यु जबकि 1156 घर पर नहीं मिले। 14 अप्रैल से 21 अप्रैल तक द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों के लिए होम वोटिंग की गयी। अनुपस्थित रहने की स्थिति में 22 एवं 23 अप्रैल को मतदान का अवसर दुबारा दिया जा रहा है।

गुप्ता ने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के तहत 98.30 प्रतिशत मतदान हुआ है। कुल 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इनमें 26 हजार 569 बुजुर्ग जबिक 8956 दिव्यांग मतदाता है, साथ ही 418 वोटर्स की मृत्यु हो गयी तथा 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

पूजा

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस के साथ सोमवार को मेहंदीपुर बालाजी पहुंचकर वहां पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मिश्र ने कहा कि मेहंदीपुर बालाजी पावन तीर्थ स्थल है। हनुमानजी का यह पवित्र धाम आस्था और विश्वास से जुड़ा है। उन्होंने हनुमानजी का अभिषेक किया और सबके मंगल की कामना की।

मोदी उनियारा में आज विजय शंखनाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के लिए मंगलवार को फिर राजस्थान आ रहे हैं। मोदी टोंक सवाईमाधोपुर लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के समर्थन में आयोजित विजय शंखनाद सभा को संबोधित करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मोदी मंगलवार सुबह साढ़े बजे टोंक जिले के उनियारा क्षेत्र में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान मोदी जौनपुरिया के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान करने की जनता से अपील करेंगे। उल्लेखनीय है मोदी ने रविवार को राजस्थान में अलग अलग जनसभाओं को संबोधित किया था।

दूसरे चरण के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए आवश्यक दिशानिर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार साहू ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दूसरे चरण के सभी जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर लोकसभा आम चुनाव-2024 की तैयारियों की लोकसभा क्षेत्रवार समीक्षा की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के उच्चाधिकारियों ने बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए ईवीएम से जुडें समस्त प्रोटोकॉल का विशेष तौर पर रिप्लेसमेंट की स्थिति में एसओपी का ध्यान रखने पर बल दिया। राजनैतिक दलों को ईवीएम कमिशनिंग की सूचना देने एवं उनकी सभी जिज्ञासाओं का तर्कपूर्ण जवाब दिए जाने के निर्देश दिए। आवश्यकतानुसार समय-समय पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं प्रत्याशियों के साथ बैठक करने का भी सुझाव दिया।

साहू ने विधानसभा चुनाव-2023 के समय राजस्थान द्वारा मतदान दिवस एवं इससे पूर्व के 72 घंटों के समय की गयी संपूर्ण व्यवस्थाओं की सराहना की एवं साथ ही सुझाव दिया कि इस बार भी इस एसओपी का विशेष ध्यान रखा जाना है एवं मतदान दिवस को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए पहले से ही तंत्र विकसित किया जाना है।

लोकसभा चुनावों के समय गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदान दल के सदस्यों के साथ-साथ मतदाताओं के लिए छाया, पेयजल एवं लू से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों से उनके जिले में लॉजिस्टिक अरेंजमेंट, बैलेट पेपर प्रिंटिंग, ईटीबीपीएस की स्थिति, होम वोटिंग, प्रशिक्षण, मतदान दल रवानगी व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, सी-विजिल, शिकायत, जब्ती की स्थिति एवं एमसीएमसी की कार्य प्रक्रिया की वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने आयोग के उच्चाधिकारियों को प्रदेश में उत्साहपूर्वक चल रही होम वोटिंग, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही बताया कि इस बार मतदाता सूचना पर्ची को विशेष कैंप्स का आयोजन कर बीएलओ के माध्यम से वितरित करवाया गया है।

लोकसभा चुनाव में उदयपुर सुरक्षित सीट पर दो पूर्व अधिकारियों में मुख्य मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा आम चुनाव के दूसरे चरण में उदयपुर (अनुसूचित जनजाति) लोकसभा सीट पर इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं कांग्रेस के बीच दो पूर्व अधिकारियों में मुख्य मुकाबला होने के आसार है। अब तक हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का दबदबा वाली इस सीट पर इस बार इन दोनों ही प्रमुख दलों ने नये चेहरों पर दांव खेला हैं और भाजपा ने परिवहन विभाग में अतिरिक्त आयुक्त रहे मन्ना लाल रावत को चुनाव मैदान में उतारा हैं जबकि कांग्रेस ने उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को अपना प्रत्याशी बनाया हैं। इनके अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दलपत राम गरासिया, भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के प्रकाश चंद्र एवं इंडियन पीपुल्स ग्रीन पार्टी के राजेन्द्र कुमार मीणा एवं तीन निर्दलीयों सहित आठ उम्मीदवार इस चुनाव में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

वर्ष 1998 में भाजपा के शंतिलाल चपलोत ने चुनाव जीता जबकि वर्ष 2004 में भाजपा की किरण माहेश्वरी यहां से सांसद बनी। वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस के रघुवीर मीणा ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इस संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा क्षेत्रों में गोगुन्दा, झाड़ोल, उदयपुर, उदयपुर ग्रामीण एवं सलूम्बर में भाजपा के विधायक हैं जबकि धरियावद एवं आसपुर में बीएपी तथा खेरवाड़ा में कांग्रेस का विधायक हैं। ऐसे में वर्तमान में संसदीय क्षेत्र में भाजपा की राजनीतिक स्थिति मजबूत मानी जा रही है। हालांकि चुनाव में राजनीतिक दलों के नेता अपने अपने उम्मीदवार की जीत के दावे कर रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी एवं केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर चुनाव प्रचार कर रही हैं जबकि कांग्रेस पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय किए गए कार्यों एवं कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र में की गई गारंटियों का प्रचार कर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है।

आजादी के बाद से अब तक हुए सत्रह लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक दस बार चुनाव जीतकर कांग्रेस ने इस क्षेत्र में अपना राजनीतिक दबदबा रखा हैं लेकिन पिछले दो चुनावों में लगातार भाजपा का कब्जा हैं। वर्ष 1952 के पहले चुनाव से वर्ष 1967 तक लगातार कांग्रेस का इस सीट पर कब्जा रहा और इस दौरान वर्ष 1952 में बलवंत सिंह मेहता, 1957 में दीनबंधु परमार, 1962 एवं 1967 में धुलेश्वर मीणा ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 1971 में जनसंघ के लालजीभाई मीणा जीते जबकि वर्ष 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के भानु प्रकाश शास्त्री सांसद बनकर इस क्षेत्र से संसद पहुंचे।

इसके बाद वर्ष 1980 के चुनाव में फिर कांग्रेस ने वापसी की और कांग्रेस आई के मोहन लाल सुखाडिया ने चुनाव जीता और वर्ष 1984 में उनकी पत्नी इंदुबाला सुखाड़िया इस क्षेत्र से सांसद बनी। वर्ष 1989 में भाजपा के उम्मीदवार गुलाब चंद कटारिया ने चुनाव जीतकर पार्टी के लिए यहां से खाता खोला और इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद फिर कांग्रेस ने वापसी करते हुए उसकी प्रत्याशी गिरिजा व्यास ने लगातार वर्ष 1991 एवं 1996 के दो लोकसभा चुनाव जीते और इसके बाद उन्होंने वर्ष 1999 में भी चुनाव जीतकर कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

वर्ष 1998 में भाजपा के शंतिलाल चपलोत ने चुनाव जीता जबकि वर्ष 2004 में भाजपा की किरण माहेश्वरी यहां से सांसद बनी। वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस के रघुवीर मीण ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 2014 एवं 2019 के दोनों लोकसभा चुनाव भाजपा के अर्जुन लाल मीणा ने जीते और दस साल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया और नये चेहरे मन्नालाल रावत पर भरोसा जताया है।

कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की, मोदी ने विकास से राजनीति की संस्कृति को बदल दिया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोरमी (छत्तीसगढ़)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पर वोट-बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर किसी का विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले के लोरमी कस्बे में एक चुनावी रैली में नड्डा ने पिछले 10 वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस दौरान अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, अनुच्छेद 370 की समाप्ति हुई और तीन तलाक को खत्म कर दिया गया। यह रैली बिलासपुर लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार तोखन साहू के पक्ष में आयोजित की गई थी। यहां सात मई को मतदान होगा।

नड्डा ने कहा, आज मोदी जी के नेतृत्व में राजनीति की संस्कृति बदल गई है। पहले पूछा जाता था कि कौन सी जाति (व्यक्ति) का है, अगड़ा या पिछड़ा, नदी के इस पार का या उस पार का, पहाड़ का या मैदान का है..कांग्रेस ने भाई-भाई को लड़ाया और वोट की राजनीति की। लेकिन मोदी जी ने भारत की राजनीति की परिभाषा बदल दी। उन्होंने काम करने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के नारे के साथ आगे बढ़ रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि

उन्होंने (कांग्रेस) तुष्टीकरण की राजनीति की, जबकि मोदी जी ने 'विकासवाद' की राजनीति की।

नड्डा ने कांग्रेस पर हमला करते हुए दावा किया कि कांग्रेस ने हमेशा भगवान राम और सनातन धर्म का विरोध किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा राम विरोधी और सनातन विरोधी रही है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले संप्रग शासन के दौरान जब सोनिया गांधी संप्रग अध्यक्ष थीं, तब उन्होंने अदालत में हलफनामा दिया था कि राम काल्पनिक हैं और उनका कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है...क्या यह सच नहीं है कि उनके वकील ने अदालत में राम मंदिर सुनवाई की तारीख को बढ़ाने की बात कही थी वरना इस मामले में फैसले का फायदा भाजपा को मिलेगा। उन्होंने (राम मंदिर निर्माण में) बाधा डालने का काम किया। राम मंदिर ट्रस्ट ने उन्हें (कांग्रेस को) अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित किया लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। क्या ऐसे राम-विरोधी लोगों को, जो हर चीज़ में राजनीति देखते हैं, आपका समर्थन मिलना चाहिए?'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, वे सनातन विरोधी हैं। कांग्रेस के साथी और द्रमुक नेता स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन 'सनातन' को डेंगू और मलेरिया कहते हैं लेकिन राहुल गांधी कुछ नहीं बोलते। यहां तक कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कुछ नहीं बोलीं... एक और द्रमुक नेता ए राजा ने सनातन को एचआईवी से जोड़ दिया। क्या इन लोगों को समर्थन मिलना चाहिए। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को देश विरोधी ताकतों का समर्थन करने में मजा आता है। उन्होंने कहा, हाल ही में कर्नाटक में, जब नासिर हुसैन राज्यसभा के लिए चुने गए, तो विधानसभा में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए। लेकिन कांग्रेस प्रमुख और कर्नाटक से आने वाले मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ नहीं बोला। नड्डा ने लोगों से कहा, जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर उरी (आतंकी हमले) का बदला लिया तब कांग्रेस पार्टी ने सबूत मांगा। क्या ऐसी राष्ट्र-विरोधी ताकतों को आगे आने की अनुमति दी जानी चाहिए?'' लोगों ने 'ना' में जवाब दिया।

अयोध्या में 90 अनिवासी भारतीयों ने किए राम मंदिर में दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अयोध्या में 30 देशों के 90 अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से आये लगभग 400 लोगों ने राम मंदिर में दर्शन किए और सरयू आरती में हिस्सा लिया।

भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल और निर्वासित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन की संसद के अध्यक्ष वेन खेनपो सोनम तेनफेल भी रविवार को यहां पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि 30 देशों के 90 अनिवासी भारतीयों तथा अन्य लोगों ने राम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर का दौरा किया और सरयू आरती में भाग लिया। अयोध्या दौरे पर आए दल का नेतृत्व 'दिल्ली स्टडी ग्रुप' के अध्यक्ष और दिल्ली के पूर्व विधायक विजय जॉली ने किया। राम मंदिर के पुजारियों ने रामनामी अंगवस्त्र धारण किए सभी आगंतुकों के माथे पर 'चंदन' का तिलक लगाया गया।

जॉली ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल में ताइवान के काउंसलर डोरजिक किन्जांग, भारत में रोमानियाई 'काउंसलर' विजय मेहता और ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, ताइवान, तजिकिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान और अमेरिका के एनआरआई शामिल थे।

ओडिशा : लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शाही परिवारों के 12 सदस्य आजमा रहे किस्मत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा के लिए एक साथ हो रहे चुनाव में इस बार अलग-अलग शाही परिवार के 12 सदस्य अपनी किस्मत आजमा रहे हैं और आम लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही हैं। ओडिशा में 13 मई से एक जून तक लोकसभा की 21 सीट और विधानसभा के लिए 147 सीट के लिए मतदान होगा।

सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने शाही परिवारों के सबसे अधिक आठ सदस्यों को मैदान में उतारा है, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन और कांग्रेस ने एक सदस्य को मैदान में उतारा है।

शाही परिवारों के दस सदस्य ओडिशा विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं जबकि दो लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार हैं।

बीजद ने धाराकोटे के दिग्गज नेता दिवंगत ए.एन. सिंहदेव की पोती 28 वर्षीय सुलक्षणा गीतांजलि देवी को सनाखेमुंडी विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है।

कानून की डिग्री रखने वाली गीतांजलि देवी विधानसभा चुनाव लड़ने वाली धाराकोटे शाही परिवार की पांचवीं सदस्य हैं। उनके दादा ए. एन. सिंहदेव सुरदा निर्वाचन क्षेत्र से चार बार 1967, 1971, 1977 और 1995 में विधायक निर्वाचित हुए थे और 1989 में अस्का लोकसभा क्षेत्र के सांसद के रूप में चुने गए थे।

उनकी दादी शांति देवी और पिता किशोर चंद्र सिंहदेव भी क्रमशः 1990 और 2004 के चुनावों में इस सीट से चुने गए थे। उनकी मां नंदिनी देवी 2014 में सनाखेमुंडी सीट से जीती थीं। इस बार गीतांजलि 20 मई को होने वाले चुनाव में कांग्रेस के मौजूदा विधायक रमेश चंद्र जेना के खिलाफ मैदान में हैं।

धाराकोटे पंचायत समिति की मौजूदा अध्यक्ष गीतांजलि ने कहा, मुझे अपने दादा, मां और पिता से लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में शामिल होने की प्रेरणा मिली। मैं निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देती हूं।

बीजद ने चिकिती विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए शाही परिवार की सदस्य उषा देवी के बेटे चिन्मयानंद श्रीरूप देब को मैदान में उतारा है।

शहरी विकास मंत्री उषा देवी के बेटे श्रीरूप देब अपनी मां की सीट चिकिती से चुनावी राजनीति की शुरुआत करने वाले स्थानीय शाही परिवार के तीसरे सदस्य हैं। उनके दादा सच्चिदानंद देव 1971 में इस सीट से चुने गए थे, जबकि उनकी मां उषा देवी 2000 से लगातार पांच बार विधानसभा सदस्य चुनी गईं।

भाजपा ने मौजूदा सांसद संगीता कुमारी सिंह देव को बोलांगीर लोकसभा सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया है। वह बोलांगीर शाही परिवार की सदस्य हैं। उनके पति वरिष्ठ भाजपा नेता केवी सिंह देव को भी पार्टी ने पटनागढ़ विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। संगीता बोलांगीर से लगातार चार बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं और पांचवी बार इस सीट से संसद पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

बीजद ने बोलांगीर से दो बार के सांसद कलिकेश नारायण सिंह देव को इस बार विधानसभा सीट के लिए मैदान में उतारा है।

भाजपा ने कालाहांडी लोकसभा सीट से पूर्व सांसद अरका केशरी देव की पत्नी मालविका केशरी देव को अपना उम्मीदवार बनाया है। शाही दंपति 2019 में टिकट नहीं मिलने के बाद 2023 में बीजद छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। अरका कालाहांडी शाही परिवार के सदस्य और भाजपा नेता बिक्रम केशरी देव के बेटे हैं, जिन्होंने तीन बार इस सीट पर जीत दर्ज की थी।

बीजद ने बामंदा 'रानी' अरुंधति देवी को देवगढ़ विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वह देवगढ़ के पूर्व राजा और भाजपा के संबलपुर सांसद नितेश गंगा देव की पत्नी हैं।

हमारी बढ़त से परेशान विपक्षी दल तुष्टिकरण का सहारा ले रहे हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की करीब 400 सीट पर जीत तय होने के बाद विपक्षी दलों ने तृष्टिकरण की राजनीति, हिंदू विरोधी एजेंडे और राष्ट्र विरोधी ताकतों से हाथ मिलाना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की हत्या का हवाला दिया और दावा किया कि राज्य सरकार आरोपियों के धर्म के कारण उचित कार्रवाई नहीं कर रही है।

कॉलेज परिसर में कथित तौर पर पीड़िता की चाकू से गोदकर हत्या करने के आरोपी फैयाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाटिया ने कहा कि निरंजन हिरेमथ ने कहा है कि उन्होंने पुलिस को आठ लोगों के नाम दिए थे जो कथित तौर पर उनकी बेटी की हत्या में शामिल थे लेकिन उनमें से किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है और सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को मामले की जांच करनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, उनके पिता खुद कह रहे हैं कि उनका पुलिस पर से भरोसा उठ गया है लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया आरोपियों को बचा रहे हैं।

मोदी का कांग्रेस पर लगातार हमला करना समझदारी वाला फैसला नहीं : शरद पवार

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से कांग्रेस पर लगातार हमला किया जाना 'समझदारी वाला फैसला' नहीं है क्योंकि पार्टी सत्ता में नहीं है। अमरावती में मराठी समाचार चैनल 'जी 24 तास' से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों की आलोचना करते रहते हैं, लेकिन भविष्य को लेकर अपनी सरकार या भाजपा की योजनाओं पर चर्चा नहीं करते। पवार ने कहा, कांग्रेस पार्टी कुछ समय से सत्ता में नहीं है। लेकिन मोदी उस पर हमला करते रहते हैं और इसे देश के विकास में बाधा डालने वाली दीवार करार देते हैं। यह एक बुद्धिमानी पूर्ण निर्णय नहीं है। सिर्फ इसलिए कि कुछ दल विपक्ष में हैं इसका मतलब यह नहीं है कि प्रमुख मुद्दों पर उन्हें विश्वास में नहीं लिया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस हालिया बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वह दो दलों को विभाजित करने के बाद सत्ता में लौटे हैं, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना में विभाजन के संदर्भ में था, पवार ने कहा कि वह आभारी हैं कि वरिष्ठ भाजपा नेता ने खुद सच का खुलासा कर दिया। पवार ने कहा, लोगों को लुभाना, ऐसी स्थिति पैदा करना जिससे पार्टी विभाजित हो जाए, फिर इसे बदला लेना घोषित करना या कुछ लोगों को कुछ निर्णय लेने के लिए प्रभावित करना, यह कोई अच्छी रणनीति नहीं है। हमारे जेहन में फडणवीस की छवि थी कि वह एक अच्छे राजनेता हैं, लेकिन अब उनका असली चेहरा सामने आ गया है।

स्कूलों में नौकरियों पर उच्च न्यायालय का आदेश अवैध, इसे चुनौती देंगे : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगंज/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को सोमवार को ''अवैध'' करार दिया और कहा कि उनकी सरकार फैसले को चुनौती देगी। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर कुछ न्यायिक निर्णयों को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सभी नियुक्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिनकी नौकरियां चली गई हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्यस्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया। बाद में, करणदिघी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, सभी फैसलों को स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है। हम आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। यह आदेश चुनाव के बीच भाजपा के निर्देशों के अनुसार पारित किया गया है। भाजपा पर न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, इसने अदालतों को अपने विस्तारित पार्टी कार्यालयों में बदल दिया है। यदि भाजपा कोई जनहित याचिका दायर करती है तो त्वरित कार्रवाई की जाती है और लोगों को जेल भेज दिया जाता है। जब अन्य लोग याचिका दायर करते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं की जाती। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय के इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल होने के स्पष्ट संदर्भ में बनर्जी ने कहा, संबंध स्पष्ट है और सभी को दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं... और भाजपा अपने पार्टी कार्यालयों से जो भी सुझाव भेजती है उसे निर्णय के रूप में पारित किया जा रहा है।

राहुल की रैली रद्द होने पर विजयवर्गीय ने कहा, जनता में रुझान नहीं होने पर तबीयत खराब हो जाती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के सतना की चुनावी रैली में शामिल नहीं होने पर मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर कोई रुझान नहीं होने के कारण राहुल की तबीयत खराब होना स्वाभाविक है। राहुल के रैली में शामिल नहीं होने के लिए पार्टी ने उनकी खराब तबीयत का हवाला दिया है। राहुल को रविवार को सतना लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार सिद्धार्थ कुशवाहा के प्रचार के लिए आयोजित एक रैली को संबोधित करना था। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि तबीयत खराब होने के कारण राहुल इस रैली में शामिल नहीं हो सकेंगें। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रैली को संबोधित किया।

विजयवर्गीय ने राहुल का सतना दौरा रद्द होने के बारे में पूछे जाने पर इंदौर में संवाददाताओं से कहा, यह सब इस बात पर

निर्भर करता है कि जनता में (कांग्रेस को लेकर) कैसा रुझान है। अगर जनता रुझान नहीं दिखाती तो तबीयत खराब हो जाती है। ऐसे में (राहुल की) तबीयत खराब होनी स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि अगर किसी नेता के प्रति जनता में रुझान होता है तो वह बुखार से पीड़ित होने के बाद भी मतदाताओं के बीच पहुंच जाता है। विजयवर्गीय ने लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाए जाने पर कहा, कांग्रेस जब कोई चुनाव जीतती है तो ईवीएम की आरती उतारती है लेकिन जब वह चुनाव हारती है तो ईवीएम को गाली देने लगती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हालिया बयान में कहा था कि लोकसभा चुनावों में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का नारा देने वाली भाजपा देश की मौजूदा आरक्षण व्यवस्था खत्म करना चाहती है।

विजयवर्गीय ने पटवारी के इस बयान को 'मूर्खतापूर्ण' करार देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ऐसे कथनों के जरिये मतदाताओं में गलतफहमी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाया गया था। पटवारी और कांग्रेस के अन्य नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि वहां (जम्मू-कश्मीर में) आरक्षण था क्या? अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां के दलित भाइयों को आरक्षण दिया।

विजयवर्गीय ने कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए कहा, आप कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र उठाकर देख लीजिए। ऐसा लगता है कि इसे किसी वामपंथी व्यक्ति या मुस्लिम लीग ने बनाया है। कांग्रेस देश के बारे में नहीं, बल्कि कुर्सी के बारे में सोचती है।

मथुरा के शाही ईदगाह विवाद में वक्फ कानून के प्रावधान लागू नहीं होंगे : हिंदू पक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सोमवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि वक्फ कानून के प्रावधान यहां लागू नहीं होंगे क्योंकि विवादित संपत्ति, वक्फ की संपत्ति नहीं है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन द्वारा की जा रही है। उच्च न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई की तिथि 30 अप्रैल तय की।

हिंदू पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि यह वाद पोषणीय है और वाद की गैर पोषणीयता के संबंध में आवेदन पर साक्ष्यों को देखने के बाद ही फैसला किया जा सकता है। हिंदू पक्ष ने यह दलील भी दी कि वह

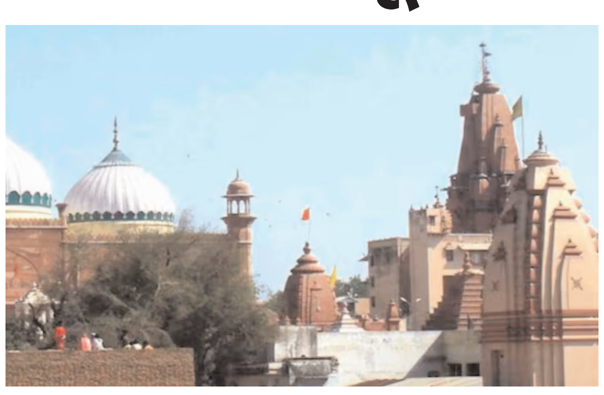

संपत्ति (शाही ईदगाह मस्जिद) एक मंदिर था जिसे बलपूर्वक कब्जे में लेने के बाद वहां नमाज अदा करना शुरू किया गया, लेकिन इस तरह से भूमि का चरित्र नहीं बदला जा सकता। उसने कहा कि चूंकि वह संपत्ति वक्फ की संपत्ति नहीं है, इसलिए इस अदालत को इस मामले में सुनवाई करने का अधिकार है।

इससे पूर्व, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा था कि यह वाद पोषणीय है और पूजा स्थल अधिनियम एवं वक्फ अधिनियम के संबंध में अर्जी, पक्षों के साक्ष्यों से ही निर्धारित हो सकती है।

जैन ने कहा था कि महज यह कहने से कि वहां एक मस्जिद है, वक्फ अधिनियम लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि संपत्ति का धार्मिक चरित्र महज ढांचे को ध्वस्त कर बदला नहीं जा सकता, यह देखना जरूरी है कि क्या कथित वक्फ 'डीड' वैध है या नहीं। उन्होंने कहा कि ये सभी चीजें मुकदमे में देखी जानी चाहिए और यह कि मौजूदा वाद पोषणीय है।

समय सीमा की बाध्यता के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मौजूदा वाद समय सीमा के भीतर दाखिल किया गया है। उनका कहना था कि 1968 का कथित समझौता वादी के संज्ञान में 2020 में आया और संज्ञान में आने के तीन साल के भीतर यह वाद दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यदि सेवायत या ट्रस्ट लापरवाह है और अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहा है तो देवता अपने करीबी मित्र के जरिए आगे आ सकते हैं और वाद दायर कर सकते हैं, ऐसे में समय सीमा का सवाल ही नहीं उठता।

इससे पूर्व, मुस्लिम पक्ष की ओर से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अधिवक्ता तस्लीमा अजीज अहमदी ने कहा था कि मौजूदा वाद समय सीमा से बाधित है। अहमदी ने दलील दी थी कि यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने के बाद कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है। उनका कहना था कि वाद में की गई प्रार्थना दर्शाती है कि वहां मस्जिद का ढांचा मौजूद है और उसका कब्जा प्रबंधन समिति के पास है। मुस्लिम पक्ष की वकील ने दलील भी दी थी, इस प्रकार से वक्फ की संपत्ति पर एक सवाल/विवाद खड़ा किया गया है जबकि यहां वक्फ कानून के प्रावधान लागू होंगे। इस तरह से इस मामले में सुनवाई वक्फ अधिकरण के न्याय क्षेत्र में आता है न कि दीवानी अदालत के अधिकार क्षेत्र में।

कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में आने का फैसला भावनात्मक रहा है : विजेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुक्केबाजी से राजनीति में आए विजेंद्र सिंह का कहना है कि उन्हें यह स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं है कि उन्होंने कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आने के फैसले के लिए भावनात्मक कीमत चुकाई है, हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसा करने की अपनी वजह हैं। सिंह ने कहा, मैंने केवल मंच बदला है, खुद को नहीं बदला। मैं वैसा ही हूं। उन्होंने अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में राजनीतिक दल बदलने के सवाल पर कहा, निश्चित रूप से भावनात्मक फैसला रहा। सिंह ने कहा कि भाजपा में जाने के फैसले से उन्हें कुछ अच्छे दोस्त खोने पड़े, लेकिन उन्होंने अपने मूल चरित्र के साथ सच्चाई से बने रहकर फिर से ऐसी दोस्ती पाने की उम्मीद जताई।

मुक्केबाजी में ओलंपिक पदक (कांस्य, 2008) जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष खिलाड़ी सिंह ने अपने राजनीतिक परिवर्तन के फैसले की व्याख्या बॉक्सिंग की शब्दावली से की।

सिंह (38) ने कहा, यह उस तरह है कि आप बॉक्सिंग में किसी उच्च श्रेणी में जाते हैं। आप ऐसा तब करते हैं जब आपका शरीर मौजूदा श्रेणी में सामंजस्य बैठाने में कठिनाई महसूस करता है। इसलिए, राजनीति में जब मुझे सामंजस्य में मुश्किल हुई तो मैं एक अलग मंच पर चला गया। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अच्छा मंच मिलता है तो उसे उस ओर जाना चाहिए। सिंह ने कहा, मेरा मूल चरित्र वैसा ही है। गलत और सही के बारे में मेरे विचार वैसे ही हैं। मैं अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाना बंद नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि वह युवाओं और देश की बेहतरी के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। सिंह ने कहा कि उनके फैसले ने उनके कुछ दोस्तों को निराश किया है लेकिन उन दोस्तों को जब भी उनकी जरूरत पड़ी तो वे अपने साथ खड़ा पाएंगे। क्या कांग्रेस ने सिंह के इस फैसले को लेकर उन्हें मनाने का प्रयास किया था, इस सवाल पर उन्होंने कहा, हां, जाहिर तौर पर कांग्रेस ने संपर्क साधा, लेकिन मैं उस बारे में बाद में बात करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के कारण वह भाजपा में आए हैं।

सुविचार

इस दुनिया में कोई खुशियों की चाह में रोता है, कोई गमो की पनाह में रोता है, अजीब ज़िन्दगी का सिलसिला है, कोई भरोसे के लिए रोता है, कोई भरोसा करके रोता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोरे उपदेश

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का करतारपुर स्थित गुरुद्वारे में लोगों (जिनमें ज्यादातर भारतीय सिक्ख थे) को संबोधित करते हुए यह कहना कि 'हमें अपने पड़ोसियों से नहीं लड़ना चाहिए ... उनके लिए अपना दिल खोलने की जरूरत है', कोरे उपदेश से ज्यादा कुछ नहीं है। आज मरियम नवाज (पाकिस्तानी) पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। उनके खानदान का पाकिस्तान में शासन है। उन्हें भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने से किसने रोका है? मरियम भी पाकिस्तानी नेताओं की तरह लंबे-चौड़े उपदेश दे रही हैं, लेकिन उनकी ओर से इनका बिल्कुल भी पालन नहीं किया जा रहा है। अगर मरियम इतनी सद्भावना रखती हैं तो भारतीय हवाई क्षेत्र में आने वाले अपने ड्रोन्स की उड़ान रोक दें, जिनमें कभी मादक पदार्थ तो कभी हथियार भेजने की कोशिशें की जाती हैं। क्या वे मुख्यमंत्री के तौर पर इतना भी नहीं कर सकतीं? भारत में किसी भी दल की सरकार रही हो, सबने पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंधों की कोशिश की थी। इन सबके बदले भारत को क्या मिला? वर्ष 1947 का हमला, 1965 का युद्ध, 1971 का महासंग्राम, कारगिल में धोखा ... और अनगिनत आतंकवादी हमले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के शपथ-ग्रहण कार्यक्रम में पाक के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को निमंत्रण भेजा था। वे आए भी, जिससे एक बार फिर यह उम्मीद जगी थी कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतर होंगे। हालांकि नतीजा 'ढाक के तीन पात' जैसा ही निकला। मोदी ने दिसंबर 2015 में नवाज के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी, जिसके कुछ ही दिन बाद पठानकोट में आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद उरी में आतंकवादी हमला हुआ था।

ये घटनाएं तब हुईं, जब शरीफ खानदान पाकिस्तान की सत्ता पर काबिज था। वह तब भी बड़ी-बड़ी बातें कर रहा था, आज भी कर रहा है। नवाज शरीफ को तत्कालीन पाक सेना प्रमुख मुशर्रफ ने बड़े-बड़े सब्ज-बाग दिखाए थे कि 'जनाब, हम आपको कश्मीर लेकर देंगे ... फिर तो आप पाकिस्तान में जिन्ना के बाद दूसरे बड़े नेता बन जाएंगे!' जब मुशर्रफ का दांव उल्टा पड़ गया और पाक फौज पर करारी चोट होने लगी तो नवाज की आंखें खुलीं। पाकिस्तान में राजनीति और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई विशेषज्ञ मानते हैं कि नवाज शरीफ को कारगिल युद्ध से पहले रची गई साजिश के बारे में मालूम था। मुशर्रफ ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें जानकारी उपलब्ध कराई थी। लिहाजा किसी को भी इस बात को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए कि पाकिस्तान के ये 'शरीफ' सच में 'शरीफ' हो गए हैं! पाकिस्तानी पंजाब शरीफ खानदान का गढ़ माना जाता है, लेकिन दु:खद है कि ये वहां रहने वाले हिंदू, सिक्ख और ईसाई परिवारों की सुरक्षा में विफल रहे हैं। उन अल्पसंख्यकों को पाकिस्तान में साजिशन खत्म किया जा रहा है। उनकी संपत्तियों पर नाजायज कब्जे हो रहे हैं। उनकी बेटियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। कट्टरपंथी तत्त्व उन्हें धमकियां देते हैं, लेकिन शरीफ खानदान खामोश रहता है। हां, वह भारत को समय-समय पर 'उपदेश' जरूर देता रहता है। मरियम भले ही कहें कि 'यह मेरा पंजाब है और हम होली, ईस्टर और बैसाखी जैसे सभी अल्पसंख्यक त्योहार एक साथ मना रहे हैं', लेकिन हकीकत इससे कहीं अलग है। पाकिस्तान में ऐसी कितनी ही घटनाएं हो चुकी हैं, जिनसे पता चलता है कि वहां अल्पसंख्यकों को शांति से त्योहार नहीं मनाने दिए जाते। पिछले साल लाहौर स्थित पंजाब विवि के लॉ कॉलेज में होली खेल रहे छात्रों को बुरी तरह पीटा गया था। बेशक मरियम साहिबा ने भारत-पाक संबंधों पर बातें बहुत अच्छी की हैं, लेकिन अब उनकी सरकार की जिम्मेदारी है कि धरातल पर वैसा करके भी दिखाए। कोरे उपदेशों से कुछ नहीं होता।

ट्वीटर टॉक

गिरिराज महाराज के आशीर्वाद से अभिसिंचित फतेहपुर सीकरी की जनता का एक-एक वोट 'राष्ट्रवाद' पर जाएगा। यहां के हर बूथ पर कमल का फूल खिलने जा रहा है। सबको सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तुष्टीकरण किसी का नहीं होगा। यही 'मोदी की गारंटी' है।

-योगी आदित्यनाथ

इस चुनाव में अलीगढ़ के मेरे परिवारजन कांग्रेस और इंडी गठबंधन की दुकान पर हमेशा के लिए ताला लगाने का मन बना चुके हैं। यहां जनसभा में आशीर्वाद देने आई जनता-जनार्दन का मैं सिर झुकाकर वंदन करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

मोदी की गारंटी मतलब... गारंटी पूरी होने की गारंटी है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज आने वाले 5 साल तक मिलता रहेगा। किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि आगे भी चलता रहेगा।

-जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

सुमिरन से कल्याण

गुरु नानकदेवजी अपने पास सत्संग के लिए आने वालों से अक्सर कहा करते, 'शुभ कर्म करो, प्रभु सुमिरन करो एवं जो मिले, उसे बांटकर खाओ।' एक दिन एक धनी व्यक्ति गुरुजी के दर्शन के लिए पहुंचा। उस समय गुरुजी सिख संगत को प्रेरणा देते हुए कह रहे थे कि 'जो व्यक्ति धनाढ्य होते हुए भी किसी अभावग्रस्त, दुखी इंसान की सहायता नहीं करता, उसे कालदूतों का उत्पीड़न सहना पड़ता है। जो सेवा और सहायता में धन लगाता है, सत्कर्म करता है, उसे इस लोक में तो ख्याति मिलती ही है, परमात्मा की भी कृपा प्राप्त होती है।' सत्संग के बाद वह गुरुजी के चरण पकड़कर बोला, 'मैं क्षत्रिय हूं। धनी हूं। कंजूस होने के कारण धन संचय में लगा रहता हूं। मेरे कल्याण का सहज समाधान बताने की कृपा करें।' गुरु नानकदेव जी ने कहा, 'यदि सच्ची शांति और कल्याण चाहते हो, तो अपना धन सेवा, परोपकार जैसे सत्कर्मों में लगाओ। कुएं खुदवाओ, लंगर लगाओ, अतिथियों की सेवा करो। ईश्वर का हर समय सुमिरन करते रहो। यह लक्ष्मी मोहिनी है, छल रूप है। यह उसी का कल्याण करती है, जो सदाचारी और परोपकारी होता है।'

सामयिक

हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे।

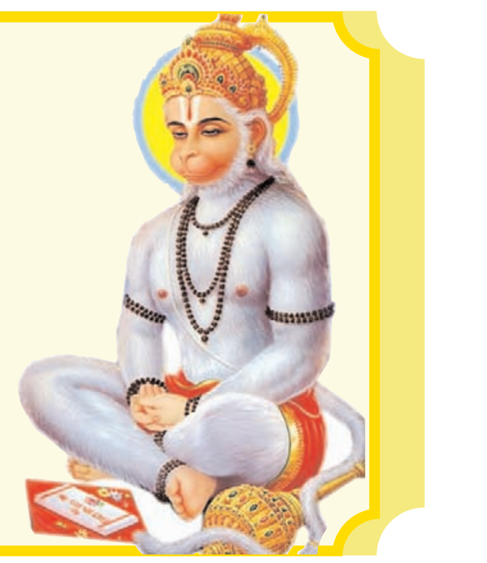

उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भगवान हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। वे उन्नत जीवन के आधार है। उनसे सफल एवं सार्थक जीवन के प्रबंधन की शिक्षा मिलती है। वे हर युग में अपने भक्तों को अपने स्वरूप का दर्शन कराते हैं और उनके दुःखों को हरते हैं। वे मंगलकर्त्ता एवं विघ्नहर्त्ता हैं।

मंगलवार को हनुमानजी का जन्म हुआ, ऐसा माना जाता है। भिन्न-भिन्न लोगों ने इस महान आत्मा का मूल्यांकन भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से किया है। हनुमान का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है और उनके इसी चरित्र ने उन्हें सार्वभौमिक लोकप्रियता प्रदान की है। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं में मात्र हनुमान ही ऐसे हैं जिनकी आधुनिक युग में सर्वाधिक पूजा की जाती है और जन-जन के वे आस्था के केन्द्र हैं। उनके चरित्र ने जाति, धर्म और सम्प्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया है। हनुमान का चरित्र बहुआयामी हैं क्योंकि उन्होंने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे एक महान योगी एवं तपस्वी हैं और इससे भी आगे वे रामभक्त हैं। हनुमान-भक्ति भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है संयम की, पवित्रता की। यह भक्ति एक बदलाव की प्रक्रिया है। यह भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय का उपक्रम है। इससे अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है।

उत्कृष्ट विलक्षणताओं के प्रतीक हनुमान पूर्ण मानव थे। कहते हैं कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि उन्हें यह अनुभूत हुआ कि उनके द्वारा सृष्ट मानव ईश्वर का साक्षात्कार करने में समर्थ है। मानव न केवल संपूर्ण प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है, प्रत्युत वह अपनी साधना के द्वारा ब्रह्मपद को भी प्राप्त कर सकता है। त्रेतायुग के सर्वाधिक शक्तिशाली मानव हनुमान जिन्हें भ्रमवश अनेक देशी-विदेशी विद्वान पेड़ों पर उछल-कूद करनेवाला साधारण वानर मानते रहे हैं, अपने अलौकिक गुणों और आश्चर्यजनक कार्यों के बल पर कोटि-कोटि लोगों के आराध्य बन गये।

भारत ही नहीं, विश्व के इतिहास में किसी ऐसे मानव का उल्लेख नहीं मिलता, जिसमें शारीरिक बल और मानसिक शक्ति का एक साथ इतना अधिक विकास हुआ हो जितना हनुमान में हुआ था। प्राचीन भारत में ब्रह्मतेज से युक्त अनेक महामानव हुए। इसी प्रकार इस पावनभूमि में ऐसे विशिष्ट व्यक्ति भी हुए जो शारीरिक बल में बहुत बलशाली थे, परन्तु ब्रह्मतेज के साथ-साथ शास्त्र-बल का जो आश्चर्यजनक योग हनुमान में प्रकट हुआ, वह अन्यत्र दिखाई नहीं पड़ता। शुद्ध आचार, विचार और व्यवहार से जुड़ी हनुमान की ऐसी अनेक चारित्रिक व्याख्याएं हैं जिनमें जीवन और दर्शन का सही दृष्टिकोण सिमटा हुआ है।

हनुमान को बुद्धिमानों में अग्रगण्य माना जाता है। ऋग्वेद में उनके लिए विश्ववेदसम्' शब्द का प्रयोग किया गया है। इसका अभिप्रेत अर्थ है- विद्वानों में सर्वश्रेष्ठ। हनुमान अपने युग के विद्वानों में अग्रगण्य थे। उनकी गणना सामान्य विद्वानों में नहीं, बल्कि विशिष्ट विद्वानों में की जाती थी। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को महाबलशाली घोषित करते हुए 'बुद्धिमतां वरिष्ठं' कहना पूर्ण युक्ति संगत है। 'रामचरितमानस' में भी उनके लिए 'अतुलित बलधामं' तथा ज्ञानिनामग्रगण्यम' इन दोनों विशेषणों का प्रयोग द्रष्टव्य है। ब्रह्मचारी हनुमानजी महान संगीतज्ञ और गायक भी थे। इनके मधुर गायन को सुनकर पशु-पक्षी एवं सृष्टि का कण-कण मुग्ध हो जाता था।

हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे।

प्राचीन भारत की सर्वश्रेष्ठ भाषा संस्कृत और व्याकरण पर हनुमान का असाधारण अधिकार था। हनुमान ने सूत्र, वृत्ति, वार्तिक, महाभाष्य तथा संग्रह का भली-भांति अध्ययन किया था। अन्यान्य ग्रंथों तथा छंद-शास्त्र के ज्ञान में भी उनकी समानता करनेवाला कोई नहीं था। संपूर्ण विद्याओं के ज्ञान में उनकी तुलना देवताओं के गुरु बृहस्पति से की गयी है। महर्षि अगस्त्य के अनुसार हनुमान नवों व्याकरणों के अधिकारी विद्वान थे। नोबेल पुरस्कार विजेता आक्टाभियो पाज का भी यह सुनिश्चित मत है कि हनुमान ने व्याकरण शास्त्र की रचना की थी। मारुति नंदन, परमवीर, श्रीराम भक्त हनुमानजी की पवित्र मन से की गयी साधना और भक्ति चमत्कारपूर्ण परिणाम देने वाली है। हनुमानजी शिव के अवतार माने जाते हैं और ग्यारहवें रुद्र के रूप में इनकी मान्यता है। कहते है-मर्यादा पुरुषोत्तम राम की सार्वकालिक सेवा करने एवं रावण-वध में उनका सहयोग करने के लिए भगवान राम का अवतार लेने से पूर्व ही त्रेतायुग में शिवजी ने अपने ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतार लिया था। वह 'हनुमानजी' के पवित्र लोकोपकारी नाम से विख्यात हुए। महादेव का हनुमान के रूप में अवतरण लेने के सन्दर्भ में कहा जाता है कि भगवान विष्णु महादेव के इष्ट देव हैं। वे उनके श्रीचरणों के शाश्वत पुजारी हैं। त्रेतायुग में रावणादि राक्षसों का सकुल संहार करके उनका उद्धार करने के लिए ही भगवान विष्णु अयोध्या के महाराज दशरथ के यहां अपनी सोलह कलाओं सहित पुत्र रूप में अवतरित हुए। अतः उनकी सेवा करने के लिए महादेव ने हनुमान के रूप में अवतार लिया।

तंत्र शास्त्र के आदि देवता और प्रवर्तक भगवान शिव हैं। इस प्रकार से हनुमानजी स्वयं भी तंत्र शास्त्र के महान पंडित हैं। समस्त देवताओं में वे शाश्वत देव हैं। परम विद्वान एवं अजर-अमर देवता हैं। वे अपने भक्तों का सदैव ध्यान रखते हैं। उनकी तंत्र-साधना, वीर-साधना है। वे रुद्रावतार और बल-वीरता एवं अखंड ब्रह्मचर्य के प्रतीक हैं। अतः उनकी उपासना के लिए साधक को सदाचारी होना अनिवार्य है। उसे मिताहारी, जितेन्द्रिय होना चाहिए। हनुमान साधना करने के लिए हर व्यक्ति उसका पालन नहीं कर सकता, इसलिए इस चेतावनी का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि हनुमानजी को सिद्ध करने का प्रयास भौतिक सुखों की प्राप्ति या चमत्कार प्रदर्शन के लिए कभी नहीं करना चाहिए। उनकी भक्ति के माध्यम से भगवान राम के दर्शन तथा उनकी कृपा प्राप्त की जा सकती है। यह भक्ति हृदय की पवित्रता से ही संभव है और इसी से व्यक्ति घर और मन्दिर दोनों में एक-सा होता है। कहा जाता है की श्री हनुमानजी का जन्म ही राम भक्ति और उनके कार्यो को पूर्ण करने के लिए हुआ है। उनकी सांस-सांस में, उनके कण-कण में और खून के कतरे-कतरे में राम बसे हैं। एक प्रसंग में विभीषण के ताना मारने पर हनुमानजी ने सीना चिरकर भरी सभा में राम और जानकी के दर्शन अपने सीने में करा दिए थे।

हनुमान की भक्ति या उनको पाने के लिये इंसान को इंसान बनना जरूरी है। जब तक भक्ति की धारा बाहर की ओर प्रवाहित रहेगी तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। हनुमान भक्ति के लिये जरूरी है उनके जीवन से दिशाबोध ग्रहण करो और अपने में डूबकर उसे प्राप्त करो। 'जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ'- यही है सच्ची हनुमान भक्ति की भूमिका। भक्ति का असली रूप पहचानना जरूरी है, तभी मंजिल पर पहुंचेंगे, अन्यथा संसार की मरुभूमि में ही भटकते रह जायेंगे।

विशेष

जन गण मन के अधिष्ठाता वीर हनुमान

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक रामभक्त हनुमान जी को सभी धर्मों और वर्गों के लोग समान रूप से पूजते है। हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष 23 अप्रैल, मंगलवार को देशभर में श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा। भारत मंदिरों का देश है। यहाँ हर गली और नुक्कड़ में आस्था के प्रतीक मंदिर देखने को मिल जायेंगे। गांव हो या शहर इनमें हनुमानजी या बालाजी के मंदिर बहुतायत से मिलेंगे। मान्यता है की बालाजी बच्चे से बुजुर्ग तक हर व्यक्ति के कष्टों को दूर करते है। बजरंग बली के भक्तों के लिए हनुमान जन्मोत्सव या हनुमान जयंती का दिन बेहद खास होता है। संकट मोचन, अंजनी सुत, पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। पवनपुत्र के नाम से प्रसिद्ध हनुमान जी की माता अंजनी और पिता वानरराज केसरी थे।

हनुमान जी को बजरंगबली, केसरीनंदन और आंजनाय के नाम से भी पुकारा जाता है। जिन्होंने त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम की भक्ति और सेवा के लिए जन्म लिया। संकटों का नाश करने वाले हनुमान जी को संकटमोचन भी कहते हैं। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हनुमानजी को भगवान शिव का ग्यारहवां रूद्र अवतार माना जाता है। मान्यता है अयोध्या के राजा दशरथ ने जब पुत्रेष्टि हवन कराया था तब उन्होंने अपनी तीनों रानियों को प्रसाद स्वरूप खीर खिलाई थी। इसी दौरान खीर का थोड़ा सा अंश एक कौआ लेकर उड़ गया और वो कौआ वहां जा पहुंचा जहां माता अंजना शिव तपस्या में लीन थीं। तपस्या में लीन मां अंजना ने उस खीर को शिव जी के प्रसाद के रूप में ग्रहण कर लिया। इस खीर के प्रसाद को ग्रहण करने के

बाद हनुमान जी का जन्म हुआ।

हनुमान भगवान राम के परम भक्त थे। इस दिन भगवान राम सीता और लक्ष्मण के साथ हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी है। कहा जाता है कि इस दिन हनुमान जी मनवांछित फल देते हैं। केसरी नंदन मारुती का नाम हनुमान कैसे पड़ा? इससे जुड़ा एक किस्सा है। यह घटना हनुमानजी की बाल्यावस्था में घटी। एक दिन मारुती अपनी निद्रा से जागे और उन्हें तीव्र भूख लगी। उन्होंने पास के एक वृक्ष पर लाल पका फल देखा जिसे खाने के लिए वे निकल पड़े। दरअसल मारुती जिसे लाल पका फल समझ रहे थे वे सूर्यदेव थे। वह अमावस्या का दिन था और राहू सूर्य को ग्रहण लगाने वाले थे। लेकिन वे सूर्य को ग्रहण लगा पाते उससे पहले ही हनुमान जी ने सूर्य को निगल लिया। राहु कुछ समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है? उन्होंने इंद्र से सहायता मांगी। इंद्रदेव के बार-बार आग्रह करने पर जब हनुमान जी ने सूर्यदेव को मुक्त नहीं किया तो इंद्र ने बज्र से उनके मुख पर प्रहार किया जिससे सूर्यदेव मुक्त हुए। वहीं इस प्रहर से मारुती मूर्छित होकर आकाश से धरती की ओर गिरते हैं। पवनदेव इस घटना से क्रोधित होकर मारुती को अपने साथ ले एक गुफा में अंतर्ध्यान हो जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप पृथ्वी पर जीवों में त्राहि- त्राहि मच उठती है। इस विनाश को रोकने के लिए सारे देवगण पवनदेव से आग्रह करते हैं कि वे अपने क्रोध को त्याग पृथ्वी पर प्राणवायु का प्रवाह करें। सभी देव मारुती को वरदान स्वरूप कई दिव्य शक्तियाँ प्रदान करते हैं और उन्हें हनुमान नाम से पूजनीय होने का वरदान देते हैं। उस दिन से मारुती का नाम हनुमान पड़ा। इस घटना की व्याख्या तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में की गई है। मगर हनुमानजी को श्रीराम के परम भक्त के रूप में अधिक जाना जाता है उन्होंने राम रावण युद्ध में राम का साथ देकर रावण को हराया था। लंका जलाने का श्रेय हनुमानजी को जाता है।

इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष संयोग है। हनुमान जी की पूजा करना आपके लिए कल्याणकारी होगा। इन योगों के कारण इस बार हनुमान जन्मोत्सव का महत्व और भी बढ़ गया है। भगवान हनुमान का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था, इसलिए इनका जन्मोत्सव सूर्योदय पूर्व से प्रारम्भ हो कर दिवस पर्यंत सूर्यास्त पश्चात तक चलता है।

इस दिन सबुह स्नान करके भगवान के सामने चौमुखी दिया जलाएं। कहा जाता है कि इससे हनुमान जी अति प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सुंदरकांड का पाठ और हनुमान चालीसा का जाप विशेष फलदायी है। हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से मन को शांति मिलती है। हनुमान जयंती पर हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

झारखंड के चाईबासा में सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा के पक्ष में चुनाव प्रचार रैली के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और अन्य नेता।

इजराइल सैन्य गुप्तचर प्रमुख ने सात अक्टूबर के हमले को लेकर इस्तीफा दिया

तेल अवीव। इजराइल के सैन्य खुफिया प्रमुख मेजर जनरल अहरोन हलीवा ने यहूदी देश पर हमास के 7 अक्टूबर के अप्रत्याशित हमले के दौरान अपनी इकाई की विफलताओं की जिम्मेदारी लेते हुए सोमवार को इस्तीफा दे दिया। हलीवा इजराइली सेना के जनरल स्टाफ के पहले जनरल हैं, जिन्होंने फलस्तीनी विद्रोही संगठन हमास के इजराइल पर बड़े पैमाने पर हमले और उसके बाद गाजा में युद्ध को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हिब्रू ने लिखे अपने त्यागपत्र में हलीवा ने कहा, खुफिया विभाग उस काम पर खरा नहीं उतरा जो हमें सौंपा गया था। अपने पूरे कर्तव्य निर्वहन के दौरान, मुझे पता था कि प्राधिकार के साथ-साथ भारी जिम्मेदारी भी आती है।

जनरल ने कहा कि सात अक्टूबर को जो कुछ हुआ उसकी वह जिम्मेदारी लेना चाहते हैं और उन्होंने युद्ध के लक्ष्य जितना संभव हो सके उतना पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का वादा किया। हलीवा ने एक जांच समिति गठित करने का आह्वान भी किया।

राजनाथ सिंह ने सियाचिन का दौरा किया, सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का सोमवार को दौरा किया और क्षेत्र में भारत की समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सिंह ने सियाचिन का दौरा ऐसे समय में किया जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में भारतीय सेना की मौजूदगी को एक सप्ताह पहले 40 वर्ष हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ क्षेत्र में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, सियाचिन में एक अग्रिम चौकी का दौरा किया। बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हमारे देश की रक्षा करने वाले बहादुर सेना कर्मियों के साथ अद्भुत बातचीत हुई। उन्होंने कहा, मैं कर्तव्य के प्रति उनके साहस और पेशेवर अंदाज की सराहना करता हूं।

सिंह ने सियाचिन में तैनात सैनिकों से बातचीत भी की। काराकोरम पर्वतीय शृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जहां सैनिकों को शीतदंश और तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने विषम परिस्थितियों में वीरता और दृढ़ संकल्प के साथ मातृभूमि की रक्षा के पुण्य पथ पर चलने के लिए उनकी (सैनिकों) प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र सशस्त्र बल कर्मियों का सदैव ऋणी रहेगा, क्योंकि उनके बलिदान के वजह से हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं, क्योंकि हम आश्वस्त हैं कि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं पर दृढ़ता से खड़े हैं। आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तो बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में हमारे सैनिकों की वीरता और दृढ़ इच्छाशक्ति के कामों को गर्व के साथ याद किया जाएगा। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। रक्षा मंत्री ने सियाचिन को कोई सामान्य भूमि नहीं बल्कि भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि सियाचिन कोई आम जगह नहीं है, बल्कि यह भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली भारत की राष्ट्रीय राजधानी है, मुंबई वित्तीय राजधानी है, बेंगलुरु प्रौद्योगिकी राजधानी है, उसी तरह, सियाचिन साहस, दृढ़ निश्चय और संकल्प की राजधानी है।

अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी : मोहसिन नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उसके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने के तैयार है। लाहौर में एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए नकवी से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया साक्षात्कार के बारे में पूछा गया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की और कहा कि दोनों पड़ोसी देशों का विदेश में टेस्ट श्रृंखला खेलना 'शानदार' होगा। देखिए, अगर इस संबंध में कोई विकल्प आता है तो हम उस पर विचार करेंगे लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना है और पहले भारत को टूर्नामेंट के लिए आने देना है। फिलहाल चैंपियन्स ट्रॉफी तक कोई समय उपलब्ध नहीं है क्योंकि हमारी टीम का यात्रा कार्यक्रम तय हो चुका है। एक बार वे पहले यहां आ जाएं तो जब भी कोई प्रस्ताव हमारे सामने आएगा, हम उस पर विचार कर सकते हैं। दोनों टीमों ने पिछली बार 2012-13 में सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी जब पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था लेकिन भारत ने 2007 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया है।

पृथ्वी दिवस

पटना में पृथ्वी दिवस के अवसर पर सोमवार को पाटन महिला कॉलेज की छात्राएं बैनर लिये।

ईरानी हमले में इजराइल को बहुत कम नुकसान पहुंचने की बात खामनेई ने अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकारी

यरूशलम। ईरान के सर्वोच्च नेता का इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल हमले से हुए नुकसान से जुड़े सवालों का जवाब देने से रविवार को इनकार कर देना इस बात को स्वीकारने का संकेत है कि तेहरान के बड़े हमले के बावजूद कुछ ही मिसाइल अपने लक्ष्य तक पहुंच पाईं। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्फहान शहर पर शुक्रवार को इजराइल की जवाबी कार्रवाई को लेकर भी कोई टिप्पणी नहीं की जबकि इजराइल की कार्रवाई के मद्देनजर ईरानी सैनिकों ने वायु रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया था और देश भर में वाणिज्यिक उड़ानों को रोक दिया गया था। खामनेई (85) ने ईरान की सेना, पुलिस और अर्द्धसैनिक रेव्यूलेशनरी गार्ड के शीर्ष स्तर के अधिकारियों की बैठक में कहा, दूसरे दल इस बात को लेकर बहस कर रहे हैं कि कितनी मिसाइल दागी गयीं, कितनी मिसाइल निशाने पर लगीं और कितनी अपने लक्ष्य से चूक गयीं। यह हमारे लिए दूसरी प्राथमिकता है। खामनेई का बयान ईरान सरकार के स्वामित्व वाले टेलिविजन चैनल पर प्रसारित किय गया।

मुख्य मुद्दा ईरानी राष्ट्र का उदय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर ईरानी सेना की इच्छाशक्ति है। बस यही मायने रखता है। ईरान ने इजराइल के हवाई रक्षा तंत्र को भेदने के मकसद से 13 अप्रैल को सैकड़ों की संख्या में ड्रोन, बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागी थीं। इजराइल पर ईरान के इस हमले को 1991 के बाद दूसरा सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

वार्ता

हैदराबाद में पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद (राज्यसभा) रेणुका चौधरी सोमवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती हुई।

'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी आने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आयेंगे। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'कल्कि 2898 एडी' के निर्माताओं ने इस फिल्म में अमिताभ के किरदार से पर्दा उठा दिया गया

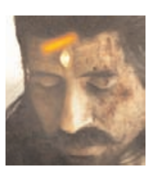

है।फिल्म का एक छोटा सा टीजर वीडियो शेयर किया गया, जिसमें देखने को मिला कि सफेद कपड़े से ढका हुआ एक शख्स गुफा में बैठकर शिव लिंग की पूजा कर रहा है।फिर एक बच्चे की आवाज सुनाई देती है, जो उससे पूछ रहा है कि क्या तुम मर नहीं सकते, तुम भगवान हो। कौन हो तुम। इसके बाद अमिताभ बच्चन कहते हैं मैं द्वापर युग से दशावतार की प्रतीक्षा कर रहा हूं। द्रोणाचार्य का पुत्र हूं अश्वत्थामा। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' बहुभाषी फिल्म है।

जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने की सोच से मुक्त हो रही हूं : लारा दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस और मिस यूनिवर्स रह चुकीं लारा दत्ता अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ-साथ वह ग्लैमरस की सोच से भी मुक्त हो रही हैं। ग्लैमरस दिखने के बजाय, उनका लक्ष्य उन किरदारों पर फोकस करना है जो ऑडियंस के दिलों में जगह बनाते हैं। एक्ट्रेस ने साइकोलॉजिकल क्राइम थीम पर काम करने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह बिना किसी हिचकिचाहट के नेगेटिव कैरेक्टर को आसानी से निभा सकती हैं।

लारा ने कहा, जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने या सिर्फ एक बड़े खिताब को पाने के रूप में देखे जाने के सोच से मुक्त हो रही हूं। इसके बजाय, मैं उस तरह के काम पर ध्यान दे रही हूं, जो मैं कुछ समय से करना चाहती हूं। आजकल महिलाएं फिल्में बनाने से लेकर स्क्रिप्ट लिखने तक हर तरह के कामों में आगे बढ़ रही हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, मैं उस इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हूं जो बेहतरी के लिए बदल रहा है।

मेरी दिलचस्पी साइकोलॉजिकल क्राइम थीम में है, भले ही इसका मतलब नेगेटिव किरदार निभाना क्यों न हो। यह मेरे लिए डायरेक्शन का अनोखा अंदाज है और मैं स्क्रीन पर डार्क रोल निभाना पसंद करूंगी। 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' 25 अप्रैल से जियो सिनेमा पर उपलब्ध होगी।

'गुलाबी' के लिए कड़ी मेहनत कर रही है हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी आने वाली फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। हुमा कुरैशी इन दिनों विपुल मेहता के निर्देशन में बन रही फिल्म गुलाबी की शूटिंग गुजरात में कर रही है। इस फिल्म का निर्माण जिसे जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे और इकोलोन प्रोडक्शंस के विशाल राणा कर रहे हैं।यह फिल्म अहमदाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें हुमा आटो रिक्शा ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं। वह आटो रिक्शा चलाने के साथ-साथ पढ़ना चाहती है और दूसरे लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। हुमा कुरैशी फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। विशाल राणा ने बताया, हम तपती गर्मी की चुनौतियों बीच वहां के क्षेत्रीय लोगों के साथ शूट कर रहे हैं। हुमा बहुत सशक्त अभिनेत्री हैं। वह बिना किसी शिकायत के दिन के बारह-बारह घंटे शूटिंग कर रही हैं।उन्होंने काफी लंबा और सशक्त सीन सिर्फ एक टेक में शूट किया। कैमरे के सामने वह जितने शानदार तरीके से विविध भावनाएं प्रस्तुत करती हैं, उससे हम सब बहुत प्रभावित हैं।

भारत की पहली फीमेल सुपरस्टार थी कानन देवी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत में कानन देवी को पहली फीमेल सुपरस्टार के तौर पर याद किया जाता है, उन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण की विद्या से बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनायी। काननदेवी मूल नाम काननबाला का जन्म पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 1916 को एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। बचपन के दिनों में ही उनके पिता की मृत्यु हो गयी। इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मवारी को देखते हुये कानन देवी अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटाने लगी। कानन देवी जब महज 10 वर्ष की थी तब अपने एक पारिवारिक मित्र की मदद से उन्हें ज्योति स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म जयदेव में पांच रुपए की तनख्वाह पर काम करने का अवसर मिला। इसके बाद कानन देवी को ज्योतिस बनर्जी के निर्देशन में

राधा फिल्मस के बैनर तले बनी कई फिल्म में बतौर बाल कलाकार काम करने का अवसर मिला।

वर्ष 1934 में प्रदर्शित फिल्म .मां. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी। कुछ समय के बाद कानन देवी न्यू थियेटर में शामिल हो गयी। इस बीच उनकी मुलाकात राय चंद बोराल (आर.सी.बोराल) से हुयी जिन्होंने कानन देवी को हिंदी फिल्मों में आने का प्रस्ताव दिया।तीस और चालीस के दशक में फिल्म अभिनेता या अभिनेत्रियों को फिल्मों में अभिनय के साथ ही पार्श्वगायक की भूमिका भी निभानी होती थी जिसको देखते हुये कानन देवी ने भी संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चटर्जी से हासिल की। इसके बाद उन्होंने अनादी दस्तीदार से रवीन्द्र संगीत भी सीखा।

अभिनेता रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी

नयी दिल्ली। अभिनेता रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उनके प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह, सिंह का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था जिसमें उन्हें अपना राजनीतिक विचार प्रकट करते देखा जा सकता था। ऐसा लगता है कि कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर मूल 'क्लिप' में छेड़छाड़ की गई है। प्रवक्ता के अनुसार, सिंह ने पुलिस में एक शिकायत दायर की थी और आगे की जांच के लिए साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने प्राथमिकी दर्ज की है।''हमने पुलिस में शिकायत दायर की और कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर तैयार किये गए रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वीडियो के वायरल होने के शीघ्र बाद, अभिनेता ने 'एक्स' पर चेतावनी देते हुए पोस्ट किया था।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के फैंस ने अभिनेता का प्री-बर्थडे सेलिब्रेट किया

हैदराबाद/एजेन्सी

मैन ऑफ मासेस के नाम से मशहूर एनटीआर जूनियर के पास स्थानीय और विश्व स्तर पर समर्पित फैंस हैं। अपनी आगामी ब्लॉकबस्टर, 'देवरा: भाग 1' के लिए तैयार अभिनेता का जन्मदिन 20 मई को आने वाला है।

इस खास अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए, एनटीआर जूनियर के फैंस ने अभिनेता के जन्मदिन से पहले एक महीने से भी कम समय में उल्टी गिनती शुरू करने के लिए हैदराबाद में एक भव्य प्री-बर्थडे समारोह का आयोजन किया।

इस अवसर पर, हैदराबाद में सुदर्शन थिएटर 35एमएम के बाहर एनटीआर जूनियर का एक विशाल पोस्टर लगाया गया। एक विशाल माला से सजाए गए, फैंस ने 'जय एनटीआर' टी-शर्ट पहने, उनके पोस्टर पकड़े और खुशी से नाचते हुए 'जय एनटीआर' का नारा लगाया। माहौल वास्तव में एक खूबसूरत उत्सव जैसा लग रहा था, जो दर्शाता है कि फैंस अभिनेता को कितना प्यार करते हैं और उनके जन्मदिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो, मैन ऑफ़ मासेस एनटीआर जूनियर 'देवरा: पार्ट 1' में नज़र आएंगे।

कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित, इस महान कला का निर्माण युवसुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, और नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा तैयार किया गया है, और सिनेमैटोग्राफी आर रत्नवेलु द्वारा संभाली गई है। 'देवरा: भाग 1' 10 अक्टूबर 2024 को स्क्रीन पर आएगी।

संबोधन

शिमला में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा ठाकुर सोमवार को पार्टी कार्यालय कमल दीप भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती हुई।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा श्रमण भगवान महावीर के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 'यस, आई केन बिकम महावीर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ चामराजपेट की ओर से धार्मिक पाठशाला के संयोजन में जल संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली झांकी निकाली गई, जिसे द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ । महावीर जन्मकल्याणक के मौके पर शाम को आयोजित कार्यक्रम में संगठन द्वारा पाठशाला मंडल को सम्मानित किया गया।

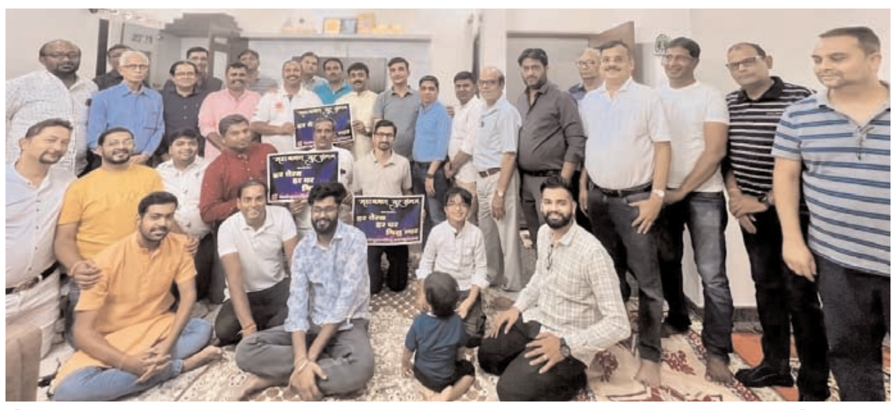

तेरस पर भिक्षु भक्ति धम्म जागरण का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर महाश्रमण सुर संगम द्वारा आंचलिया निवास पर तेरस को भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। सुर संगम से सह प्रभारी सुरेश कोठारी, अध्यक्ष अंकुश बैद, परमार्शक विक्रम पुगलिया, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया, राहुल मेहता, विक्रम दुगड़ व जितेन्द्र घोषल ने भजनों की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष अंकुश बैद ने आंचलिया परिवार को धन्यवाद देते हुए हर घर भिक्षु स्वर के बारे में जानकारी दी ।

इस अवसर पर अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप एचबीएसटी परमार्शक राजेंद्र बैद सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

विदेशी लोग मादक पदार्थ तैयार करने के लिए ग्रेटर नोएडा को क्यों चुन रहे हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने पिछले एक साल में विदेशियों द्वारा किराए के घरों में स्थापित किये गये तीन मादक पदार्थ बनाने वाले अड्डों का भंडाफोड़ किया है और सैकड़ों करोड़ रुपये मूल्य का 100 किलोग्राम से ज्यादा नशीला पदार्थ बरामद किया है। हाल ही में पुलिस ने 17 अप्रैल को छापेमारी कर चार नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा था और उनके पास से 100 करोड़ रुपये मूल्य की 26.67 किलोग्राम मेथिलीनडाइऑक्सीफेनथाइलमाइन (एमडीएमए) बरामद की थी। पुलिस ने पिछले साल 16 मई और 30 मई को इस मामले में की गई दो अलग-अलग छापेमारी के दौरान 75 किलोग्राम से अधिक एमडीएमए (जिसे एक्स्टसी या मौली भी कहा जाता है) बरामद किया था और एक दर्जन विदेशियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, प्रयोगशाला में तैयार किये नशीले पदार्थ 'मैथ' की कुल कीमत 350 करोड़ रुपये से अधिक थी।

इन सभी घटनाओं में, पुलिस ने पाया कि विदेशियों ने शुद्ध रूप में 'मेथ' तैयार की थी। जांच में शामिल एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह मेथ दिल्ली में एक परिचित व्यक्ति को दी गई और फिर वहां से यूरोप भेजी गई। अधिकारी ने बताया, पहले आरोपियों को कच्चा माल उपलब्ध कराया गया और फिर उन्होंने ग्रेटर नोएडा में ये मादक पदार्थ तैयार किया जिसके बाद उन्होंने इसे सुखा कर ठोस बनाया और दिल्ली में अपने जानने वालों को भेज दिया। पीटीआई-भाषा ने जिन पुलिसकर्मियों से बात की उनमें से कम से कम तीन ने इस बात पर सहमति जताई कि ग्रेटर नोएडा कम घनी आवासीय सुविधाओं वाला स्थान है और यहां से दिल्ली आना-जाना भी आसान है, इसलिए आरोपियों ने मादक पदार्थों को तैयार करने के लिए इसे चुना।

एक अधिकारी ने बताया, तीनों ही मामलों में विदेशियों ने ग्रेटर नोएडा में खुले क्षेत्रों में किराये पर अलग-अलग मकान लिये, जिससे मादक पदार्थ तैयार करने के दौरान उसमें से निकलने वाली गंध लोगों तक न पहुंच सके।

विदेशियों ने मादक पदार्थ तैयार करने के लिए ग्रेटर नोएडा को इसलिये भी चुना क्योंकि यहां कच्चे माल की उपलब्धता है जो कि विदेश में हासिल करना मुश्किल है। उदाहरण के लिए एफेड्रिन एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है और इसकी बिक्री पर सरकार द्वारा भी प्रतिबंध लगाया गया है।

एफेड्रिन, हालांकि फार्मास्युटिकल प्रयोजनों के लिए उपलब्ध है लेकिन उसके लिए बहुत सारे विनियमन हैं। पुलिस के मुताबिक तीनों मामलों में गिरफ्तार सभी लोग फिलहाल जेल में हैं।

चारित्र के लिए राग नहीं, वैराग्य चाहिए : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में नवपदकी ओली की आराधना करवा रहे साध्वीजी श्री स्वर्णांजनाश्री ने कहा कि संसार और मोक्ष के बीच जो पुल है उसका नाम चारित्र है। आठ कर्मों का नाश करना हो तो इस आंठवे पद की आराधना करनी चाहिए। चारित्र के बिना कोई मोक्ष नहीं जा सकता है। यह चारित्र 2 प्रकार का पहला देश विरति चारित्र जिसमें श्रावक जो छोटे नियम व्रत का पालन करता है और दूसरा सर्व विरति जिसमें साधु जो 5 महाव्रत का पालन करते हैं। राग और चारित्र में कट्टर शत्रुता है, दोनों में से कोई एक ही रह सकता है। हमारे हृदय में राग इतना जोरदार चिपक गया है कि वैराग्य भाव टिक नहीं रहा है। चारित्र के लिये राग नहीं, वैराग्य चाहिए। विषयों का राग जब कम होता है तभी चारित्र की आराधना सरल रूप से हो सकती है।

चारित्र यानीअशुभ क्रियाओं का त्याग और शुभ क्रियाओं का अप्रमत्त रूप से पालन और वही चारित्र कर्मक्षय का कारण है। निज भावों में रमण करना भी चारित्र कहलाता है। चारित्र के स्वीकार से रंक व्यक्ति भी वंदनीय हो जाता है। चारित्री तीनों लोको के लिए पूज्य बन जाता है।

चिकनायकनहल्ली में मनाया गया प्रभु महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में

चिकनायकनहल्ली में भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव मनाया गया । साध्वीश्रीजी ने कहा कि हमें भगवान महावीर के गुणों को जीवन में उतारना है तभी हमारे आज का दिन मनाना सार्थक हो पाएगा । चिक्कनायकनहल्ली के गौतमचन्द संचेती ने स्वागत करते हुए भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अनेकान्त, अहिंसा, अपरिग्रह आदि विषयों पर प्रेरणात्मक प्रस्तुति दी। उत्तरकर्नाटक एरिया समिति के अध्यक्ष जयंतिलालजी चौपड़ा, मंड्या सभा के अध्यक्ष सुरेश भंसाली, मंत्री विनोद भंसाली , महिला मंडल मंड्या की अध्यक्षा पूनम बोहरा आदि ने गीतिका, वक्तव्य दिए। उत्तर कर्नाटक एरिया आँचलिक सभा द्वारा आगे की व्यवस्थाओं का दायित्व दक्षिण कर्नाटक एरिया समिति की टीम को हस्तांतरण किया । तेरापंथ समाज द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में तेरापंथ भवन से कार्यक्रम स्थल तक रैली निकाली गई। मंच संचालन साध्वीश्री मार्धवश्रीजी ने किया।

मोदी की ब्रांड वैल्यू बहुत बड़ी : गोविल

मेरठ। उत्तर प्रदेश की मेरठ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अरुण गोविल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'ब्रांड वैल्यू' और 'गारंटी' बहुत बड़ी हैं और विपक्ष गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) से कुछ खास फर्क नहीं पड़ेगा। गोविल ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में मेरठ से चुनावी अभियान की शुरूआत की। उनके आने से निश्चित रूप से मुझे मदद होगी। उनकी ब्रांड वैल्यू बहुत बड़ी है। उनकी गारंटी बहुत बड़ी हैं।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का कितना प्रभाव पड़ेगा इस सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं है। उनका (विपक्षी गठबंधन) सारा ध्यान तो इस पर रहता है कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर किस तरह से आक्षेप लगाए जाएं। उन्होंने (विपक्ष) कितना काम किया है, यह सारी जनता को पता है। मुझे नहीं लगता कि उससे कोई बहुत फर्क पड़ने वाला है।

वीतरागता के लक्ष्य की ओर करें गति : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा श्रमण भगवान महावीर के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 'यस, आई केन बिकम महावीर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में साध्वी भव्ययशाजी एवं साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने थीम सॉन्ग 'मुझे महावीर बनना है' का मधुर संगान किया। साध्वी उदितयशाजी ने कहा कि भगवान महावीर की साधना का प्रारंभिक और अंतिम बिंदु जागरूकता है। हम उनकी देह ज्योति, शब्द ज्योति एवं आत्म ज्योति से प्रेरणा प्राप्त कर लक्ष्य की ओर गति करेंगे, अप्रमत्तता की साधना करेंगे तो हम भी एक दिन महावीर बन सकते हैं। हमारा लक्ष्य वीतरागता होना चाहिए फिर चाहे उसकी प्राप्ति में कितने ही जन्म लग जाए।

साध्वी शिक्षाप्रभा जी ने साधना के प्रथम सोपान ध्यान के अंतर्गत कायोत्सर्ग का विशेष प्रयोग करवाया एवं प्रतिदिन कम से कम 5 मिनट कायोत्सर्ग करने की प्रेरणा प्रदान की।

साध्वी भव्ययशा जी प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स के माध्यम से समझाया कि इंसान का लक्ष्य बड़ा होना चाहिए। लक्ष्य बड़ा होगा तो छोटी बड़ी सारी इच्छाएं उसमें स्वतः समाहित हो जाएगी। साध्वी संगीतप्रभाजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए उसकी सतत स्मृति आवश्यक है। आपने महावीर बनने के रहस्यों को जानने के लिए आचार्य श्री महाप्रज्ञजी द्वारा रचित 'श्रमण महावीर' पुस्तक के स्वाध्याय करने की विशेष प्रेरणा प्रदान की। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोकरणा ने कृतज्ञता व्यक्त की।

तेयुप अध्यक्ष रजत बैद ने आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला में पारमार्थिक शिक्षण संस्था के अध्यक्ष बजरंग जैन, महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, संयोजक विमल धारीवाल, तेयुप पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं अनेकों श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसकी वाणी से होती है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। शहर के भारत प्राइड पार्क में सुमतिनाथ के नूतन जिनालय कि अंजनशलाका प्रतिष्ठा संपन्न करके आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी का बीजापुर की ओर विहार किया। गब्बूर ग्राम में विश्राम के दौरान आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता नें हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती। जब शब्दों को चयन करें तो सही रूप से करे। ताकि सामने वाला हमारी बात का तात्पर्य समझ सकें।

दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत का जन-जागरण प्रयास

लोकसभा चुनाव मतदान - 26.4.2024

देश की सुरक्षा व हित में वोट करें

आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या हमारे देश की बागडोर सुरक्षित हाथों में है? विश्व में बढ़ते हुए परमाणु खतरे को ध्यान में रखते हुए देश में मजबूत सरकार का होना अति आवश्यक है। देश का मुखिया देश भक्त एवं मातृभूमि के प्रति वफादार हो, निडर हो जो समय पर कठोर कदम उठाने में सक्षम हो एवं देश के भीतर व बाहर से की जाने वाली साजिशों का मुंह तोड़ जवाब दे सकें। विश्व स्तर पर अपनी बात रखने व मनवाने में भी सक्षम हो। ऐसा चौकन्ना चोकीदार चुनने के लिए अपने निजी स्वार्थ त्यागकर देशहित में वोट अवश्य करें।

मदन माहेश्वरी, व्यवसायी, बेंगलूरु

अपने मत की कीमत समझें

देशहित में काम करने वाली सरकार को अपने मत के अधिकार द्वारा चुनें लेकिन हमारे भारत देश के मतदाता बहुत सारे वर्ग में बंट गए हैं जैसे कि जाति, धर्म, क्षेत्रवाद इत्यादि। इससे देशहित में सही सरकार का चुनकर आना कठिन हो गया है। रही सही कसर अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियों द्वारा जनता को लालच देखकर उनको भ्रमित करने कोशिशें पूरी कर देती हैं। सही सरकार का चुनकर आना तभी संभव है जब हर मतदाता अपने मत की क़ीमत समझकर मतदान करें।

संजय बैद
रीयल एस्टेट व्यवसायी, बेंगलूरु

देश विकास में जरुरी हैं वोट

वोट करके हम अपने विचारों को व्यक्त करने का मौका पाते हैं और राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेते हैं। बिना वोट किए आप सरकारी नीतियों और नेताओं को प्रभावित करने का अधिकार खो देते हैं। वोट करने से नेताओं का समाज के मुद्दों पर ध्यान जाता है और वे उसके समाधान के लिए कार्य करते हैं। वोट करके हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाते हैं। जिस प्रकार किसी भी व्यापार को बढ़ाने के लिए लाभ का होना अति आवश्यक है, ठीक उसी प्रकार किसी देश को मजबूत व सशक्त बनाने के लिए अपने मत के प्रयोग से अच्छे व सक्षम नेताओं का चयन करना भी उतना ही आवश्यक है।

सोहिल दत्तानी,
विपणन अध्यक्ष, ए-वन स्टील, बेंगलूरु

एकजुट होकर योग्य को करें वोट

अपने मत का प्रयोग कर व अप्रत्यक्ष रूप से राजनीति से जुड़कर व्यक्ति सामाजिक ही नहीं, विविध क्षेत्रों में लोगों की मदद व अनेक प्रकार के कार्य कर सकता है। बशर्ते व्यक्ति का मत ऐसे उम्मीदवार को जाए जिसका लक्ष्य ही ईमानदारी पूर्वक लोगों की सेवा करना हो। बिजनेस में परचम फहराने वाले मारवाड़ियों द्वारा यदि एकतापूर्वक राजनीति के क्षेत्र में अपने मत के द्वारा हुंकार भरे तो बड़ा बदलाव आ सकता है। बेंगलूरु मध्य व दक्षिण क्षेत्र में बहुतायत में 'राजस्थानी वोटर्स' एकतापूर्वक कार्य करें और यदि जागरूक हो जाएं तो किसी भी प्रत्याशी की हार-जीत को तय कर सकते हैं।

गौतम माण्डोत, मंत्री
तेरापंथ सभा, गांधीनगर, बेंगलूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकतंत्र का सम्मान - अवश्य करें मतदान

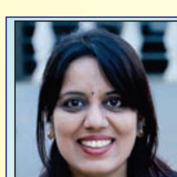

महत्त्वपूर्ण अधिकार है मतदान

जब आप मतदान करते हैं, तो आप नागरिकता के सबसे महत्वपूर्ण अधिकार का उपयोग कर रहे होते हैं। मतदान करना हर एक नागरिक का कर्तव्य है और यह आपकी शक्ति को बढ़ावा देता है। अपने विचारों को साकार करें और देश के भविष्य का निर्माण करें। आप सभी मतदाताओं से करबद्ध निवेदन है कि अपने अपने मतदान केन्द्र पर जाएं और चुनाव की स्याही अपनी उंगली पर लगवाकर देश का भविष्य तय करें। मतदान कर नए सबेरे का स्वागत करें और मां भारती के गीत गाएं।

स्वीटी भंसाली, चेयरपर्सन
जीतो गदग लेडीज विंग

हर वस्यक का अधिकार है मतदान

मतदान केवल एक औपचारिकता नहीं है बल्कि यह संविधान द्वारा अपने वयस्क नागरिकों को दिया गया अधिकार है जिसके द्वारा हमें अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होता है। हम इस अधिकार का सदुपयोग करके राज्य और देश की प्रगति में भागीदार बनें। मतदान दिवस पर हम सबसे पहले मतदान करें और फिर बाकी के काम, इसे केवल एक छुट्टी का दिन ना मानें, बामुश्किल ये 10 से 15 मिनट का कार्य है, अगर हमारे पास इतना वक्त भी नहीं है तो फिर हमें किसी भी तरीके से सरकार के अच्छे या बुरे कार्यों पर उंगली उठाने का अधिकार नहीं है।

भागीरथ माटोलिया
मार्केटिंग मैनेजर, अरविंद, बेंगलूरु

अपने विकास के लिए करें वोट

वोट देना एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। वोट देने से हमारी आवाज़ को समाज में महत्व मिलता है। वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से हम समाज के निर्णयों में भाग लेते हैं, जिससे समृद्धि और समानता का संदेश जाता है। अपने हक को बनाए रखने के लिए वोटिंग अधिक महत्वपूर्ण है, जो हमें सकारात्मक परिणाम देती है। हमें अपने शहर, राज्य के विकास के लिए मतदान को महत्त्व देना ही चाहिए। वोटिंग से हम सार्वजनिक निर्णयों में अपनी भागीदारी दर्शाते हैं, जो समृद्धि और समानता का मार्गदर्शक है। कृपया वोट करने जाएं और अपने हक का उपयोग करें।

ललित चौधरी
समाज सेवी, हुब्बल्ली

मतदान एक पवित्र कर्तव्य है. अवश्य निभाएं

भारत दुनिया का ऐसा लोकतंत्र है जहां हर व्यक्ति, हर इंसान अपना वोट देने के लिए स्वतंत्र है। इस स्वतंत्रता व अपने इस हक का प्रयोग कर हमें अपने बुद्धि-विवेक से एक ऐसे उम्मीदवार का चुनाव करना है जो देश की बागडोर को बखूबी संभाल सके। हर एक व्यक्ति का वोट बेहद कीमती होता है, क्योंकि एक वोट भी किसी उम्मीदवार को हराने और उसे बनाने का दमखम रखता है। मतदान एक पवित्र कर्तव्य है, देश तरक्की तभी करेगा जब हर भारतीय वोट करेगा। छोड़ के सारे काम,पहले करो मतदान, छुट्टी का दिन समझ कर सो न जाना, अपना कर्तव्य जरूर निभाना।

सुनीता लाहोटी, सचिव
कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

- जनहित में जारी

गोड़वाड़ भवन में आज सजेगा वीर हनुमान का दरबार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हनुमान सेवा समिति के तत्वावधान में मंगलवार को लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोड़वाड़ भवन में 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को अपराह्न 3 बजे से सभा स्थल पर संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ रखा गया है जिसमें जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के हरिकिशन सारड़ा और उनकी टीम द्वारा संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ होगा। शाम को 6 बजे से इस वर्ष मुम्बई के सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष भट्ट आयोजन में हनुमानजी के भजनों की प्रस्तुति देंगे। रात्रि 9.30 बजे मंगल आरती व महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी हनुमान भक्तों के साथ हनुमान जन्मोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है।

ईरान के राष्ट्रपति रईसी तीन दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे

इस्लामाबाद। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सोमवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे। इब्राहिम रईसी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दो महीने पहले दोनों पड़ोसी देशों ने एक दूसरे के इलाकों में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किये थे। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट में कहा, इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा आवास और निर्माण मंत्रालय के मंत्री मियां रियाज हुसैन पीरजादा और ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टीपू ने उनकी अगवानी की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरानी राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी और एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें विदेश मंत्री, कैबिनेट के अन्य सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रपति रईसी का पाकिस्तान में एक व्यापक कार्यक्रम है। इस दौरान वह राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक से मिलेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह लाहौर और कराची जाकर वहां के प्रशासन से भी मुलाकात करेंगे।

पाकिस्तान रेडियो के मुताबिक रईसी आज प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात करेंगे जहां दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com